मामला संबंधी अध्ययन (CASE STUDY)

UPSC

2018

1. राकेश जिला स्तर का एक ज़िम्मेदार अधिकारी है, जिस पर उसके उच्च अधिकारी भरोसा करते हैं। उसकी ईमानदारी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने उसे वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक स्वास्थ्य देखभाल योजना के लाभार्थियों की पहचान करने का दायित्व सौंपा है।
   (अ) 60 वर्ष की या उससे अधिक आयु हो।
   (ब) किसी आरक्षित समुदाय से संबंधित हो।
   (स) परिवार की वार्षिक आय ₹। लाख से कम हो।
   (द) इलाज के बाद लाभार्थी के जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक अंतर होने की प्रबल सम्भावना हो।

   एक दिन एक वृद्ध दंपति राकेश के कार्यालय में योजना के लाभ के लिए आवेदन-पत्र ले कर आया। वे उसके जिले के एक गाँव में जन्म से रहते आए हैं। वृद्ध व्यक्ति की बड़ी आँत में एक ऐसे विरले विकार का पता लगा जिससे उसमें रुकावट पैदा होती है। परिणामस्वरूप, उसके पेट में बार-बार तीव्र पीड़ा होती है जिससे वह कोई शारीरिक श्रम नहीं कर सकता है। वृद्ध दंपति की देखरेख करने के लिए कोई संतान नहीं है। एक विशेषज्ञ शल्य चिकित्सक, जिससे वे मिले हैं, बिना फीस के उनकी शल्य चिकित्सा करने को तैयार है। फिर भी, उस वृद्ध दंपति को आकस्मिक व्यय, जैसे दवाइयाँ, अस्पताल का खर्च, आदि जो लगभग ₹ 1 लाख होगा, स्वयं ही वहन करना पड़ेगा। दंपति मानक 'ब' के अलावा योजना का लाभ प्राप्त करने की सारी कसौटियाँ पूरी करता है। फिर भी, किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता निश्चित तौर पर उनके जीवन की गुणवत्ता में काफी अंतर पैदा करेगी।

   राकेश को इस परिस्थिति में क्या अनुक्रिया करनी चाहिए?

   Rakesh is a responsible district level officer, who enjoys the trust of his higher officials. Knowing his honesty, the government entrusted him with the responsibility of identifying the beneficiaries under a health care scheme meant for senior citizens.

   The criteria to be a beneficiary are the following:
   (a) 60 years of age or above.
   (b) Belonging to a reserved community.
   (c) Family income of less than ₹ 1 Lakh rupees per annum.
   (d) Post-treatment prognosis is likely to be high to make a positive difference to the quality of life of the beneficiary.

   One day, an old couple visited Rakesh's office with their application. They have been the residents of a village in his district since their birth. The old man is diagnosed with a rare condition that causes obstruction in the large intestine. As a consequence, he has severe abdominal pain frequently that prevents him from doing any physical labour. The couple has no children to support them. The expert surgeon whom they contacted is willing to do the surgery without charging any fee. However, the couple will have to bear the cost of incidental charges, such as medicines, hospitalization, etc., to the tune of rupees one lakh. The couple fulfils all the criteria except criterion 'b'. However, any financial aid would certainly make a significant difference in their quality of life.

   How should Rakesh respond to the situation? ***(250 words / 20 Marks)***

2. अपने मंत्रालय में एक वरिष्ठ अधिकारी होने के नाते आपकी पहुँच महत्त्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों तथा आने वाली बड़ी घोषणाओं, जैसे सड़क निर्माण परियोजनाएँ, तक जनता के अधिकार-क्षेत्र में जाने से पहले हो जाती है। मंत्रालय एक बड़ी सड़क निर्माण की योजना करने वाला है जिसके लिए खाके तैयार हो चुके हैं। नियोजकों ने इस बात का पूरा ध्यान रखा है कि सरकारी भूमि का

अधिक-से-अधिक उपयोग किया जाए ताकि निजी भूमि का कम-से-कम अधिग्रहण करना पड़े। निजी भूमि के मालिकों के लिए क्षतिपूर्ति की दरें भी सरकारी नियमों के अनुसार निर्धारित कर ली गई हैं। निर्वनीकरण कम-से-कम हो इसका भी ध्यान रखा गया है। ऐसी आशा है कि परियोजना की घोषणा होते ही उस क्षेत्र और आसपास के क्षेत्र की भूमि की कीमतों में भारी उछाल आएगी। इसी बीच, संबंधित मंत्री ने आपसे आग्रह किया कि सड़क का पुन:संरेखण इस प्रकार किया जाए जिससे सड़क मंत्री के 20 एकड़ के फार्म हाउस के पास से निकले। इसके साथ ही मंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि वह अपनी पत्नी के नाम, प्रस्तावित बड़ी सड़क परियोजना के आसपास एक बड़ा भूखण्ड प्रचलित दरों पर जो कि नाममात्र की हैं, क्रय करने में सहायता करेंगे। मंत्री ने आपको यह भी विश्वास दिलाने का प्रयास किया कि इसमें कोई नुकसान नहीं है क्योंकि भूमि वैधानिक रूप से खरीदी जा रही है। वह आपसे यह भी वादा करता है कि यदि आपके पास पर्याप्त धनराशि नहीं है, तो उसकी पूर्ति में भी आपकी सहायता करेगा। लेकिन सड़क के पुन:संरेखण में बहुत-सी कृषि-योग्य भूमि का अधिग्रहण करना पड़ेगा, जिससे सरकार पर काफी वित्तीय भार पड़ेगा, तथा किसान भी विस्थापित होंगे। केवल यह ही नहीं, इसके चलते बहुत सारे पेड़ों को भी कटवाना पड़ेगा, जिससे पूरे क्षेत्र का हरित आवरण समाप्त हो जाएगा।

इस परिस्थिति का सामना होने पर आप क्या करेंगे? विभिन्न प्रकार के हित-द्वन्द्वों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए तथा स्पष्ट कीजिए कि एक लोक सेवक होने के नाते आपके क्या दायित्व हैं।

As a senior officer in the Ministry, you have access to important policy decisions and upcoming big announcements such as road constructions projects before they are notified in the public domain. The Ministry is about to announce a mega road project for which the drawings are already in place. Sufficient care was taken by the planners to make use of the government land with the minimum land acquisition from private parties. Compensation rate for private parties was also finalized as per government rules. Care was also taken to minimize deforestation. Once the project is announced, it is expected that there will be a huge spurt in real estate prices in and around that area.

Meanwhile, the Minister concerned insists that you realign the road in such a way that it comes closer to his 20 acres farmhouse. He also suggests that he would facilitate the purchase of a big plot of land in your wife name at the prevailing rate which is very nominal, in and around the proposed mega road project. He also tries to convince you by saying that there is no harm in it as he is buying the land legally. He even promises to supplement your savings in case you do not have sufficient funds to buy the land. However, by the act of realignment, a lot of agricultural lands has to be acquired, thereby causing a considerable financial burden on the government, and also the displacement of the farmers. As if this is not enough, it will involve cutting down of a large number of trees denuding the area of its green cover.

Faced with this situation, what will you do? Critically examine various conflicts of interest and explain what your responsibilities are as a public servant.

(250 words / 20 Marks)

3. यह एक राज्य है जिसमें शराबबंदी लागू है। अभी-अभी आपको इस राज्य के एक ऐसे जिले में पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है जो अवैध शराब बनाने के लिए कुख्यात है। अवैध शराब से बहुत मौतें हो जाती हैं, कुछ रिपोर्ट की जाती हैं और कुछ नहीं, जिससे जिला अधिकारियों को बड़ी समस्या होती है।

अभी तक इसे कानून और व्यवस्था की समस्या के दृष्टिकोण से देखा जाता रहा है और उसी तरह इसका सामना किया जाता रहा है। छापे, गिरफ्तारियाँ, पुलिस के मुकदमें, आपराधिक मुकदमे - इन सभी का केवल सीमित प्रभाव रहा है। समस्या हमेशा की तरह अभी भी गंभीर बनी हुई है। आपके निरीक्षणों से पता चलता है कि जिले के जिन क्षेत्रों में शराब बनाने का कार्य फल-फूल रहा है, वे आर्थिक, औद्योगिक तथा शैक्षणिक रूप से पिछड़े हैं। अपर्याप्त सिंचाई सुविधाओं का कृषि पर बुरा प्रभाव पड़ता है। विभिन्न समुदायों के बार-बार होने वाले टकराव अवैध शराब निर्माण को बढ़ावा देते हैं। अतीत में लोगों के हालात में सुधार लाने के लिए न तो सरकार के द्वारा और न ही सामाजिक संगठनों के द्वारा कोई महत्वपूर्ण पहलें की गई हैं।

समस्या को नियंत्रित करने के लिए आप कौन-सा उपागम अपनाएँगे?

KGS : 5th Floor, A13A, Graphix 1 Tower B, Sector 62, Noida, Uttar Pradesh-201309
Ph. No. : 8757354880
KGS: KHAN GLOBAL STUDIES

It is a State where prohibition is in force. You are recently appointed as the Superintendent of Police of a district notorious for illicit distillation of liquor. The illicit liquor leads to many death, reported and unreported, and causes a major problem for the district authorities.

The approach till now had been to view it as a law and order problem and tackle it accordingly. Raids, arrest, police cases, and criminal trials – all these had only limited impact. The problem remains as serious as ever.

Your inspections show that the parts of the district where the distillation flourishes are economically, industrially and educationally backward. Agriculture is badly affected by poor irrigation facilities. Frequent clashes among communities gave boost to illicit distillation. No major initiatives had taken place in the past either from the government's side or from social organizations to improve the lot of the people.

Which new approach will you adopt to bring the problem under control?

(250 words / 20 Marks)

4. एक बड़ा औद्योगिक परिवार बड़े पैमाने पर औद्योगिक रसायनों के उत्पादन में संलग्न है। यह परिवार एक अतिरिक्त इकाई स्थापित करना चाहता है। पर्यावरण पर दुष्प्रभाव के कारण अनेक राज्यों ने इसके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। किंतु एक राज्य सरकार ने, सारे विरोध को दरकिनार करते हुए, औद्योगिक परिवार की प्रार्थना को स्वीकार कर लिया और एक नगर के समीप इकाई स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान कर दी।

इकाई को 10 वर्ष पूर्व स्थापित कर दिया था और अभी तक बहुत सुचारु रूप से चल रही थी। औद्योगिक बहि:स्रावों से पैदा हुए प्रदूषण से क्षेत्र में भूमि, जल और फसलों पर दुष्प्रभाव पड़ रहा था। इससे मनुष्यों तथा पशुओं में गंभीर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ भी आ रही थीं। परिणामस्वरूप, इकाई को बंद करने की माँग को ले कर शृंखलाबद्ध आंदोलन होने लगे। अभी-अभी एक आंदोलन में हज़ारों लोगों ने भाग लिया जिससे पैदा हुई गंभीर कानून और व्यवस्था की समस्या से निपटने के लिए पुलिस को सख्त कदम लेने पड़े। जनाक्रोश के पश्चात् राज्य सरकार ने फैक्टरी को बंद करने का आदेश दे दिया।

फैक्टरी के बंद होने के परिणामस्वरूप न केवल वहाँ काम करने वाले श्रमिक ही बेरोज़गार हुए अपितु सहायक इकाइयों के कामगार भी बेरोज़गार हो गए। इससे उन उद्योगों पर भी बुरा प्रभाव पड़ा जो उस इकाई द्वारा उत्पादित रसायनों पर निर्भर थे।

इस मुद्दे को संभालने के उत्तरदायित्व सौंपे गए एक वरिष्ठ अधिकारी होने के नाते, आप इस उत्तरदायित्व का निर्वहन किस प्रकार करेंगे?

A big corporate house is engaged in manufacturing industrial chemicals on a large scale. It proposes to set upon the additional unit. Many states rejected its proposal due to the detrimental effect on the environment. But one state government acceded to the request and permitted the unit close to a city, brushing aside all opposition.

The unit was set up 10 years ago and was in full swing till recently. The pollution caused by the industrial effluents was affecting the land, water and crops in the area. It was also causing serious health problems to human beings and animals. This gave rise to a series of agitation thousands of people took part, creating a law and order problem necessitating stern police action. Following the public outcry, the State government ordered the closure of the factory.

The closure of the factory resulted in the unemployment of not only those workers who were engaged in the factory but also those who were working in the ancillary units. It also very badly affected those industry which depended on the chemicals manufactured by it.

As a senior officer entrusted with the responsibility of handling this issues, how are you going to address it?

(250 words / 20 Marks)

5. डॉ. 'एक्स' शहर के एक प्रतिष्ठित चिकित्सक हैं। उन्होंने एक धर्मार्थ न्यास स्थापित कर लिया है जिसके माध्यम से समाज के सभी वर्गों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए, वे एक उच्च-विशेषज्ञता अस्पताल स्थापित करना चाहते हैं। संयोग से, राज्य के उस क्षेत्र की वर्षों से उपेक्षा रही है। प्रस्तावित अस्पताल उस क्षेत्र के लिए एक वरदान साबित होगा।

आप उस क्षेत्र की कर अन्वेषण इकाई के प्रमुख हैं। डॉक्टर के क्लीनिक के निरीक्षण के दौरान आपके अधिकारियों को कुछ बड़ी अनियमितताएँ ज्ञात हुई हैं। उनमें से कुछ बहुत गंभीर हैं जिनके कारण बड़ी मात्रा में करों से प्राप्य धनराशि रुकी रही, जिसका भुगतान डॉक्टर को अब करना चाहिए। डॉक्टर सहयोग के लिए तैयार है। वे तुरंत कर की राशि को अदा करने का वायदा करते हैं। लेकिन उनके कर भुगतान में कुछ और भी खामियाँ हैं जो पूर्ण रूप से तकनीकी हैं। यदि अभिकरण द्वारा इन तकनीकी खामियों का पीछा किया जाता है, तो डॉक्टर का बहुत सारा समय और उसकी ऊर्जा कुछ ऐसे मुद्दों की तरफ मुड़ जाएगी जो न तो बहुत गंभीर हैं, न ही अत्यावश्यक और न ही कर भुगतान कराने में सहायक हैं। इसके अतिरिक्त, पूरी संभावना है कि इसके कारण अस्पताल के खोले जाने की प्रक्रिया भी बाधित होगी।

आपके समक्ष दो विकल्प हैं:

1. व्यापक दृष्टिकोण रखते हुए, अधिकाधिक कर भुगतान अनुपालन सुनिश्चित करें और ऐसी कमियों को नजरअंदाज करें जो केवल तकनीकी प्रकृति की हों।
2. मामले को सख्ती से देखें और सभी पहलुओं पर आगे बढ़ें, चाहे वे गंभीर हों या केवल तकनीकी।

कर अभिकरण के प्रमुख होने के नाते, आप कौन-से कार्य दिशा का विकल्प अपनाएँगे और क्यों?

Dr X is a leading medical practitioner in a city. He has set up a charitable trust through which he plans to establish a super-speciality hospital in the city to cater to the medical needs of all sections of the society. Incidentally, that part of the State had been neglected over the years. The proposed hospital would be a boon for the region. You are heading the tax investigation agency of that region. During an inspection of the doctor's clinic, your officers have found out some major irregularities. A few of them are substantial which had resulted in considerable withholding of tax that should be paid by him now. The doctor is cooperative. He undertakes to pay the tax immediately.

However, there are certain other deficiencies in his tax compliance which are purely technical in nature. If these technical defaults are pursued by the agency, considerable time and energy of the doctor will be diverted to issues which are not so serious, urgent or even helpful to the tax collection process. Further, in all probability, it will hamper the prospects of the hospital coming up.

There are two options before you:

1. Taking a broader view, ensure substantial tax compliance and ignore defaults that are merely technical in nature.
2. Pursue the matter strictly and proceed on all fronts, whether substantial or merely technical.

As the head of the tax agency, which course of action will you opt and why?

(250 words / 20 Marks)

6. एडवर्ड स्नोडन, एक कम्प्यूटर विशेषज्ञ तथा सी.आई.ए. के पूर्व व्यवस्था प्रशासक, ने सरकार के निगरानी कार्यक्रमों के अस्तित्व के बारे में गोपनीय सरकारी दस्तावेजों का खुलासा प्रेस को कर दिया। अनेक विधि विशेषज्ञों और अमेरिकी सरकार के अनुसार, उसके इस कार्य से गुप्तचर्या अधि नियम 1917 का उल्लंघन हुआ है, जिसके अंतर्गत राज्य गुप्त बातों का सार्वजनीकरण राजद्रोह माना जाता है। इसके बावजूद कि स्नोडन ने कानून तोड़ा था, उसने तर्क दिया कि ऐसा करना उसका एक नैतिक दायित्व था। उसने अपने "जानकारी सार्वजनिक करने को (व्हिसल ब्लोइंग)" यह कह कर उचित ठहराया कि "जनता को यह सूचना देना कि उसके नाम पर क्या किया जाता है और उसके विरुद्ध क्या किया जाता है", बताना उसका कर्तव्य है।

स्नोडन के अनुसार, सरकार द्वारा निजता के उल्लंघन को वैधानिकता की परवाह किए बिना उसको उजागर करना चाहिए क्योंकि इसमें सामाजिक क्रिया तथा सार्वजनिक नैतिकता के अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं। अनेक व्यक्ति स्नोडन से सहमत थे। केवल कुछ ने यह तर्क दिए कि

KGS : 5th Floor, A13A, Graphix 1 Tower B, Sector 62, Noida, Uttar Pradesh-201309
Ph. No. : 8757354880

स्नोडन ने कानून तोड़ा है और राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ समझौता किया है, जिसके लिए उसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

क्या आप इससे सहमत हैं कि स्नोडन का कार्य कानूनी रूप से प्रतिबंधित होते हुए भी नैतिकता की दृष्टि से उचित था? क्यों या क्यों नहीं? इस विषय में परस्पर स्पर्धी मूल्यों को तोलते हुए अपना तर्क दीजिए।

Edward Snowden, a computer expert and former CIA administrator, released confidential Government documents to the press about the existence of Government surveillance programmes. According to many legal experts and the US Government, his action violated the Espionage act of 1971, which identified the leak of State secret as an act of treason. Yet, despite the fact that he broke the law, Snowden argued that he had a moral obligation to act. He gave a justification for his "whistle blowing" by stating that he had a duty "to inform the public as to that which is done in there name and that which is done against them."

According to Snowden, the Government's violation of privacy had to be exposed regardless of legality since more substantive issues of social action and public morality were involved here. Many agreed with Snowden. Few argued that he broke the law and compromised national security, for which he should be held accountable.

Do you agree that Snowden's actions were ethically justified even if legally prohibited? Why or why not? Make an argument by weighing the competing values in this case.

(250 words / 20 Marks)

2019

7. गंभीर प्राकृतिक आपदा से प्रभावित एक क्षेत्र में आप बचाव कार्य कर नेतृत्व कर रहे हैं। हजारों लोग बेघर हो गए हैं और भोजन, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं से वंचित हो गए हैं। मूसलाधार वर्षा एवं आपूर्ति मार्गों के क्षतिग्रस्त होने से बचाव कार्य बाधित हो गया है। विलम्बित और सीमित राहत कार्य से स्थानीय लोग बहुत क्रोधित हैं। जब आपका दल प्रभावित क्षेत्र में पहुँचता है, तब लोग दल के कुछ सदस्यों पर हमला बोल देते हैं यहाँ तक कि उनकी पिटाई भी कर देते हैं। आपके दल का एक सदस्य गंभीर रूप से घायल भी हो जाता है। संकट की इस स्थिति में, दल के कुछ सदस्य अपने जीवन को खतरे के डर से आपसे आग्रह करते हैं कि बचाव कार्य रोक दिया जाए। इन विषम परिस्थितियों में आपकी क्या अनुक्रिया होगी? एक लोक सेवक के उन गुणों का परीक्षण कीजिए जो ऐसी स्थिति को संभालने के लिए आवश्यक होंगे।

You are the heading the rescue operations in a area affected by severe natural calamity, thousands of people are rendered homeless and deprived of food, drinking water and other basic amenities. Rescue work has been disrupted by heavy rainfall and damaged to supply routes. The local people are seeding with anger against the delayed limited rescue operations. When your team reaches the affected area, the people there heckle and even assault some of the team members. One of your team member is even severely injured. Faced with this crisis some team member plead with you to call off the operations freeing threats to their life.

In such trying circumstances, what will be your response? Examine the qualities of a public servant which will be required to manage the situations. *(250 Words / 20 Marks)*

8. ईमानदारी और सच्चाई एक सिविल सेवक के प्रमाणक हैं। इन गुणों से युक्त सिविल सेवक किसी भी सुदृढ़ संगठन के मेरुदंड माने जाते हैं। कर्त्तव्य निर्वहन के दौरान, वे विभिन्न निर्णय लेते हैं। कभी-कभी इनमें से कुछ निर्णय सद्भाविक भूल बन जाते हैं। जब तक ऐसे निर्णय जानबूझ कर नहीं लिए जाते हैं और व्यक्तिगत लाभ प्रदान नहीं करते, तब तक अधिकारी को दोषी नहीं कहा जा सकता है। यद्यपि कभी-कभी ऐसे निर्णयों के दीर्घावधि में अप्रत्याशित प्रतिकूल परिणाम उत्पन्न हो सकते हैं।

अभी हाल में कुछ ऐसे उदाहरण सामने आए हैं जिन में सिविल सेवकों को सद्भाविक भूलों के लिए आलिप्त किया गया है। उन्हें अकसर अभियोजित और बंदित भी किया गया है। इन प्रकरणों के कारण सिविल सेवकों की नैतिक रचना को अत्यधिक क्षति पहुँची है।

यह प्रवृत्ति लोक सेवाओं के कार्य निष्पादन को किस तरह प्रभावित कर रही है? यह सुनिश्चित करने के लिए कि ईमानदार सिविल सेवक सद्भाविक भूलों के लिए आलिप्त नहीं किए जाएं, क्या उपाय किए जा सकते हैं? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

Honesty and uprightness are the hallmarks of a civil servants. Civil servants possessing these qualities are considered as a back bone of any strong organization. In line of duty, they take various decisions, at time some become bonafide mistakes. As long as such decisions, are not taken intentionally and do not benefit personally, the officer cannot be said to be guilty. Though such decisions may, at times, lead to unforeseen adverse consequences in the long term.

In the recent past, a few instances have surfaced where in civil servants has been implicated for bonafide mistakes. They have often been prosecuted and even imprisoned. These instances have greatly rattled the moral fiber of the civil servants.

How does this trend affect the functioning of civil services? What measures can be taken to ensure that honest civil servants are not implicated for bonafide mistakes on their part? Justify your answer. ***(250 Words / 20 Marks)***

9. बड़ी संख्या में महिला कर्मचारियों वाली एक परिधान उत्पादक कंपनी के अनेक कारणों से विक्रय में गिरावट आ रही थी। कंपनी ने एक प्रतिष्ठित विपणन अधिकारी को नियुक्त किया, जिसने अल्पावधि में ही विक्रय की मात्रा को बढ़ा दिया। लेकिन उस अधिकारी के विरुद्ध कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न में लिप्त होने की कुछ अपुष्ट शिकायतें सामने आई।

कुछ समय पश्चात् एक महिला कर्मचारी ने कंपनी के प्रबंधन की विपणन अधिकारी के विरुद्ध यौन उत्पीड़न की औपचारिक शिकायत दायर की। अपनी शिकायत के प्रति कंपनी की संज्ञान लेने में उदासीनता को देखते हुए, महिला कर्मी ने पुलिस में प्राथमिकी दर्ज की।

परिस्थिति की संवेदनशीलता और गंभीरता को भांपते हुए, कंपनी ने महिलाकर्मी को वार्ता करने के लिए बुलाया। कंपनी ने महिलाकर्मी को एक मोटी रकम देने के एवज में अपनी शिकायत और प्राथमिकी वापस लेने तथा यह लिखकर देने के लिए कहा कि विपणन अधिकारी प्रकरण में लिप्त नहीं था।

इस प्रकरण में निहित नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए। महिलाकर्मी के सामने कौन-कौन से विकल्प उपलब्ध हैं?

An apparel manufacturing company having large number of women employees was losing sales due to various factors. The company hired a reputed marketing executive, who increased the volume of sales within a short span of time. However, some unconfirmed reports came up regarding his indulgence in sexual harassment at the work place.

After sometime a women employee launched a formal complaint to the management against the marketing executive about sexually harassing her. Faced with the companies' indifference, in not taking cognizance of her grievances, she lodged an FIR with police.

Realizing the sensitivity and gravity of the situation, the company called the women employee to negotiate. In that she was offered a hefty sum of money to withdraw the complaint and the FIR and also give in writing that the marketing executive is not involved in the case.

Identify the ethical issues involved in this case. What options are available to the women employee? ***(250 Words / 20 Marks)***

10. आधुनिक लोकतांत्रिक राज्य व्यवस्था में, राजनीतिक कार्यपालिका और स्थायी कार्यपालिका की संकल्पना होती है। निर्वाचित जन प्रतिनिधि राजनीतिक कार्यपालिका का गठन करते हैं और अधि कारीतंत्र स्थायी कार्यपालिका का गठन करती है। मंत्रीगण नीति निर्माण करते हैं और अधिकारी उन नीतियों को क्रियान्वित करते हैं।

स्वतंत्रता के पश्चात् प्रारंभिक दशकों में, राजनीतिक कार्यपालिका और स्थायी कार्यपालिका के बीच अंतर्सम्बन्ध, एक दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप किए बिना, परस्पर समझ, सम्मान और सहयोग पर आधारित थे।

लेकिन बाद के दशकों में स्थिति में परिवर्तन आया है। ऐसे प्रकरण आए हैं जहाँ राजनीतिक कार्यपालिका ने स्थायी कार्यपालिका पर अपनी कार्यसूची का अनुसरण करने का दबाव बनाया है। सत्यनिष्ठ अधिकारियों के प्रति सम्मान और सराहना में गिरावट आई है। इस प्रवृत्ति में उत्तरोत्तर वृद्धि

KGS : 5th Floor, A13A, Graphix 1 Tower B, Sector 62, Noida, Uttar Pradesh-201309
Ph. No. : 8757354880

हुई है कि राजनीतिक कार्यपालिका में नैत्यिक प्रशासनिक प्रसंगों में जैसे कि स्थानान्तरण, प्रस्थापन आदि में अंतर्ग्रस्त होने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। इस परिदृश्य में 'अधिकारीतंत्र के राजनीतिकरण' की ओर एक निश्चित प्रवृत्ति है। सामाजिक जीवन में बढ़ती भौतिकवाद और संग्रहवृत्ति ने राजनीतिक कार्यपालिका और स्थायी कार्यपालिका पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।

'अधिकारी तंत्र के इस राजनीतिकरण' के क्या-क्या परिणाम हैं? विवेचना कीजिए।

In a modern democratic polity there is a concept of political executive and permanent executive elected people's representatives forms the political executive and bureaucracy forms the permanent executive. Ministers frame policy decisions and bureaucrats execute these. In the initial decades after independence, relationship between the permanent executives and the political executives were characterized by mutual understanding, respect, and cooperation, without encroaching upon each other's domain.

However, in the subsequent decades the situation has changed. There are instances of the political executive insisting upon the permanent executives to follow its agenda. Respect for an appreciation of an upright bureaucrats has declined. There is an increasing tendency among the political executive to get involved in routine administrative matters such as transfers, posting etc. Under this scenario, there is a definitive trend towards 'politicization of bureaucracy'. The raising materialism and acquisitiveness in social life has also adversely impacted upon the ethical values of both the permanent executive and the political executive.

What are the consequences of this 'politicization of bureaucracy? Discuss.

(250 Words / 20 Marks)

11. एक सीमांत राज्य के एक जिले में स्वापकों (नशीले पदार्थों) का खतरा अनियंत्रित हो गया है। इसके परिणामस्वरूप काले धन का प्रचलन, पोस्त की खेती में वृद्धि, हथियारों की तस्करी, व्यापक हो गई है तथा शिक्षा व्यवस्था लगभग ठप्प हो गई है। सम्पूर्ण व्यवस्था एक प्रकार से समाप्ति के कगार पर है। इन अपुष्ट खबरों से कि स्थानीय राजनेता और कुछ पुलिस उच्चाधिकारी भी ड्रग माफिया को गुप्त संरक्षण दे रहे हैं, स्थिति और भी बदतर हो गई है।

ऐसे समय में, परिस्थिति को सामान्य करने के लिए, एक महिला पुलिस अधिकारी, जो ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए अपने कौशल के लिए जानी जाती है, को पुलिस अधीक्षक के पद पर नियुक्त किया जाता है।

यदि आप वही पुलिस अधिकारी हैं, तो संकट के विभिन्न आयामों को चिन्हित कीजिए। अपनी समझ के अनुसार, संकट का सामना करने के उपाय भी सुझाएं।

In one of the districts of a frontier state, narcotics menace has been rampant. This has results in money laundering, mushrooming of poppy farming, arms smuggling and near stalling of education. The system is on the verge of collapse. The situation has been further worsened by unconfirmed reports that local politicians as well as some senior police officers are providing surreptitious patronage to the drug mafia.

At that point of time a woman police officer, known for her skills in handling such situations is appointed as superintendent of police to bring the situation to normalcy.

If you are the same police officer, identify the various dimensions of the crisis. Based on your understanding, suggest measures to deal with the crisis. ***(250 Words / 20 Marks)***

12. भारत में हाल के समय में बढ़ती चिंता रही है कि प्रभावी सिविल सेवा नैतिकता, आचरण संहिताओं, पारदर्शिता उपायों, नैतिक एवं शुचिता व्यवस्थाओं तथा भ्रष्टाचार निरोधी अभिकरणों को विकसित किया जा सके। इस परिप्रेक्ष में, तीन विशिष्ट क्षेत्रों पर ध्यान देने की आवश्यकता को महसूस किया जा रहा है जो सिविल सेवाओं में शुचिता और नैतिकता को आत्मसात् करने हेतु प्रत्यक्ष रूप से प्रासंगिक हैं। ये क्षेत्र निम्नलिखित हैं :

1. सिविल सेवाओं में, नैतिक मानकों और ईमानदारी के विशिष्ट खतरों का पूर्वानुमान करना,
2. सिविल सेवकों की नैतिक सक्षमता को सशक्त करना और
3. सिविल सेवाओं में नैतिक मूल्यों और ईमानदारी की अभिवृद्धि के लिए, प्रशासनिक प्रक्रियाओं एवं प्रथाओं का विकास करना।

उपरोक्त तीन मुद्दों का हल निकालने के लिए संस्थागत उपाय सुझाइए।

In recent times, there has been an increasing concern in India to develop effective civil service ethics, code of conduct, transparency measures, ethics and integrity systems and anti-corruption agencies. In view of this, there is need being felt to focus on three specific areas, which are directly relevant to the problems of internalizing integrity and ethics in the civil services. These are as follows:

1. Anticipating specific threats to ethical standards and integrity in the civil services,
2. Strengthening the ethical competence of civil servant and
3. Developing administrative processes and practices which promote ethical values and integrity in civil services.

Suggest institutional measures to address the above three issues. *(250 Words / 20 Marks)*

2020

13. राजेश कुमार एक वरिष्ठ लोक सेवक हैं, जिनकी ईमानदारी और स्पष्टवादिता की प्रतिष्ठा है, आजकल वित्त मंत्रालय के बजट विभाग के प्रमुख हैं। वर्तमान में उनका विभाग राज्यों को बजटीय सहायता की व्यवस्था करने में व्यस्त है, जिनमें से चार राज्यों में इसी वित्तीय वर्ष में चुनाव होने वाले हैं।

इस वर्ष के वार्षिक बजट ने राष्ट्रीय आवास योजना (एन.एच.एस.) को 8300 करोड़ रुपये आबंटित किए थे। यह समाज के कमजोर समूहों के लिए केंद्र प्रायोजित सामाजिक आवास योजना है। जून माह तक 775 करोड़ रुपये एन.एच.एस. हेतु लिए गए हैं।

निर्यात को बढ़ावा देने के लिए वाणिज्य मंत्रालय काफी समय से एक दक्षिणी राज्य में विशेष आर्थिक जोन (एस.ई.जेड़) स्थापित करने की पैरवी कर रहा है। केंद्र और राज्य के मध्य दो वर्षों तक चली विस्तृत चर्चा के बाद अगस्त माह में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस योजना की स्वीकृति प्रदान कर दी। आवश्यक भूमि प्राप्त करने के लिए प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई।

अट्ठारह माह पूर्व एक उत्तरी राज्य में क्षेत्रीय गैस ग्रिड़ के लिए एक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई ने विशाल गैस प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने की आवश्यकता बताई थी। सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई (पी.एस.यू.) के पास आवश्यक भूमि पहले से ही है। राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा व्यूहरचना में यह गैस ग्रिड़ एक अनिवार्य घटक है। वैश्विक बोली (ग्लोबल बिडिंग) के तीन चरणों के बाद इस योजना को एक बहुराष्ट्रीय उद्योग (एम.एन.सी.) मैसर्स एक्स वाई जेड हाइड्रोकार्बन को आबंटित किया गया। दिसम्बर में इस बहुराष्ट्रीय उद्योग को भुगतान की पहली किश्त देना निर्धारित है।

इन दो विकास योजनाओं को समय से 6000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि आबंटित करने के लिए वित्त मंत्रालय को कहा गया। यह निर्णय लिया गया कि पूरी राशि एन.एच.एस. आबंटन में से पुनर्विनियोजित करने की संस्तुति की जाए। फाइल को समीक्षा और अग्रिम कार्यवाही के लिए बजट विभाग में प्रेषित कर दिया गया। फाइल का अध्ययन करने पर राजेश कुमार को यह आभास हुआ कि पुनर्विनियोजन करने से एन.एच.एस. योजना को क्रियान्वित करने में अत्यधिक विलम्ब हो सकता है, वरिष्ठ राजनेताओं के द्वारा आयोजित सभाओं में इस योजना की काफी चर्चा हुई थी। दूसरी ओर वित्त की अनुपलब्धता से एस.ई.जेड. में वित्तीय क्षति होगी और अंतर्राष्ट्रीय योजना में विलम्बित भुगतान से राष्ट्रीय शर्मिंदगी भी।

राजेश कुमार ने इस प्रसंग पर अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया। उन्हें बताया गया कि राजनीतिक रूप से इस संवेदनशील स्थिति पर तुरंत कार्यवाही होनी चाहिए। राजेश कुमार ने महसूस किया कि एन.एच.एस. योजना से राशि के विपथन पर सरकार के लिए संसद में कठिन प्रश्न खड़े हो सकते हैं।

इस प्रसंग के संदर्भ में निम्नलिखित का विवेचन कीजिए:

(a) कल्याणकारी योजना से विकास योजना में राशि के पुनर्विनियोजन में निहित नीतिपरक मुद्दे।

(b) सार्वजनिक राशि के उचित उपयोग की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, राजेश कुमार के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का विवेचन कीजिए। क्या पदत्याग एक योग्य विकल्प है?

KGS : 5th Floor, A13A, Graphix 1 Tower B, Sector 62, Noida, Uttar Pradesh-201309
Ph. No. : 8757354880

Rajesh Kumar is a senior public servant, with a reputation of honesty and forthrightness, currently posted in the Finance Ministry as Head of the Budget Division. His department is presently busy in organising the budgetary support to the states, four of which are due to go to the polls within the financial year.

This year annual budget had allotted ₹8300 crores for National Housing Scheme (NHS), a centrally sponsored social housing scheme for the weaker sections of society. ₹775 crores have been drawn for NHS till June.

The Ministry of Commerce had long been pursuing a case for setting up a Special Economic Zone (SEZ) in a southern state to boost exports. After two years of detailed discussions between the centre and state, the Union Cabinet approved the project in August. Process was initiated to acquire the necessary land.

Eighteen months ago a leading Public Sector Unit (PSU) had projected the need for setting up a large natural gas processing plant in a northern state for the regional gas grid. The required land is already in possession of the PSU. The gas grid is an essential component of the national energy security strategy. After three rounds of global bidding the project was allotted to an MNC, M/s XYZ Hydrocarbons. The first tranche of payment to the MNC is scheduled to be made in December.

Finance Ministry was asked for a timely allocation of an additional ₹6000 crores for these two developmental projects. It was decided to recommend re-appropriation of this entire amount from the NHS allocation. The file was forwarded to Budget Department for their comments and further processing. On studying the case file, Rajesh Kumar realized that this re-appropriation may cause inordinate delay in the execution of NHS, a project much publicized in the rallies of senior politicians. Correspondingly, non-availability of finances would cause financial loss in the SEZ and national embarrassment due to delayed payment in an international project.

Rajesh Kumar discussed the matter with his seniors. He was conveyed that this politically sensitive situation needs to be processed immediately. Rajesh Kumar realized that diversion of funds from NHS could raise difficult questions for the government in the Parliament.

Discuss the following with reference to this case :

(a) Ethical issues involved in re-appropriation of funds from a welfare project to the developmental projects.

(b) Given the need for proper utilization of public funds, discuss the options available to Rajesh Kumar. Is resigning a worthy option? ***(250 Words / 20 Marks)***

14. भारत मिसाईल लिमिटेड (बी.एम.एल.) के अध्यक्ष टीवी पर एक कार्यक्रम देख रहे थे जिसमें प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर भारत के विकास की आवश्यकता पर राष्ट्र को सम्बोधित कर रहे थे। अवचेतन रूप में उन्होंने हामी भरी और मन ही मन मुस्कुराते हुए बी.एम.एल. की विगत दो दशकों की यात्रा की मानसिक पुनर्समीक्षा की। प्रथम पीढी (फर्स्ट जेनरेशन) की एण्टी-टैंक गाईडेड मिसाईल (ए.टी.जी.एम.) के उत्पादन में प्रशंसनीय रूप से आगे बढ़ कर बी.एम.एल. अब अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित ए.टी.जी.एम. हथियार प्रणालियों के डिजाइन और उनका उत्पादन कर रहा था जो विश्व की किसी भी सेना के लिए ईर्ष्या का कारण होंगे। आह भरते हुए उन्होंने अपनी इस पूर्वधारणा के साथ समझौता किया कि संभवतया सरकार सैनिक हथियारों के निर्यात पर प्रतिबंध की यथास्थिति को नहीं बदलेगी।

उन्हें आश्चर्य हुआ कि अगले ही दिन महानिदेशक, रक्षा मंत्रालय से बी.एम.एल. द्वारा ए.टी.जी.एम. के उत्पादन में वृद्धि करने की रीतियों पर चर्चा करने के लिए उन्हें फोन आया क्योंकि संभावना है कि एक मित्र विदेशी देश को उनका निर्यात किया जा सकता है। महानिदेशक चाहते थे कि अध्यक्ष अगले सप्ताह दिल्ली में उनके अधिकारियों से विस्तृत चर्चा करें।

दो दिन बाद, एक संवाददाता सम्मेलन में, रक्षामंत्री ने कहा कि अगले पाँच वर्षों में वे वर्तमान हथियार निर्यात स्तरों को दो-गुना करने का ध्येय रखते हैं। यह देशज हथियारों के विकास और निर्माण के वित्तपोषण को प्रोत्साहन देगा। उन्होंने यह भी कहा कि सभी देशज हथियार निर्माता राष्ट्रों का अंतर्राष्ट्रीय हथियार व्यापार में बड़ा अच्छा रिकॉर्ड है।

बी.एम.एल. के अध्यक्ष के रूप में निम्नलिखित बिंदुओं पर आपके क्या विचार हैं :

(a) हथियार निर्यातक के रूप में भारत जैसे उत्तरदायी देश के हथियार व्यापार में नीतिपरक मुद्दे क्या हैं?

(b) विदेशी सरकारों को हथियारों के विक्रय संबंधी निर्णय को प्रभावित करने वाले पाँच नीतिपरक कारकों को सूचीबद्ध कीजिए।

The Chairman of Bharat Missiles Ltd (BML) was watching a program on TV wherein the Prime Minister was addressing the nation on the necessity of developing a self-reliant India. He subconsciously nodded in agreement and smiled to himself as he mentally reviewed BML's journey in the past two decades. BML had admirably progressed from producing first generation anti&tank guided missiles (ATGMs) to designing and producing state of the art ATGM weapon systems that would be the envy of any army. He sighed in reconciliation with his assumptions that the government would probably not alter the status quo of a ban on export of military weaponry.

To his surprise, the very next day he got a telephone call from the Director General, Ministry of Defence, asking him to discuss the modalities of increasing BML production of ATGMs as there is a possibility of exporting the same to a friendly foreign country. The Director General wanted the Chairman to discuss the details with his staff at Delhi next week.

Two days later, at a press conference, the Defence Minister stated that he aims to double the current weapons export levels within five years. This would give an impetus to financing the development and manufacture of indigenous weapons in the country. He also stated that all indigenous arms manufacturing nations have a very good record of international arms trade.

As Chairman of BML, what are your views on the following points.

(a) As an arms exporter of a responsible nation like India, what are the ethical issues involved in arms trade.

(b) List five ethical factors that would influence the decision to sell arms to foreign governments. *(250 Words / 20 Marks)*

15. रामपुरा, एक सुदूर जनजाति बहुल जिला, अत्यधिक पिछड़ेपन और दयनीय निर्धनता से ग्रसित है। कृषि स्थानीय आबादी की आजीविका का मुख्य साधन है लेकिन बहुत छोटे भूस्वामित्व के कारण यह मुख्यतया निर्वाह-खेती तक सीमित है। औद्योगिक या खनन गतिविधियाँ यहाँ नगण्य हैं। यहाँ तक कि लक्ष्यित कल्याणकारी कार्यक्रमों से भी जनजाति आबादी को अपर्याप्त लाभ हुआ है। इस प्रतिबंधित परिदृश्य में, पारिवारिक आय के अनुपूरण हेतु युवाओं को समीप स्थित राज्यों में पलायन करना पड़ रहा है। अवयस्क लड़कियों की व्यथा यह है कि श्रमिक ठेकेदार उनके माता-पिता को बहला फुसला कर उन्हें एक नजदीक राज्य में बी.टी. कपास फार्मों में काम करने भेज देते हैं। इन अवयस्क लड़कियों की कोमल अंगुलियां कपास चुनने के लिए अधिक उपयुक्त होती हैं। इन फार्मों में रहने और काम करने की अपर्याप्त स्थितियों के कारण अवयस्क लड़कियों के लिए गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो गई हैं। मूल निवास और कपास फार्मों के जिलों में स्वयंसेवी संगठन भी निष्प्रभावी लगते हैं और उन्होंने क्षेत्र के बाल श्रम और विकास की दोहरी समस्याओं हेतु कोई ठोस प्रयास नहीं किए हैं।

आप को रामपुरा का जिला कलेक्टर नियुक्त किया जाता है। यहाँ निहित नीतिपरक मुद्दों की पहचान कीजिए। अपने जिले के सम्पूर्ण आर्थिक परिदृश्य को सुधारने और अवयस्क लड़कियों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए आप क्या विशिष्ट कदम उठायेंगे ?

Rampura, a remote district inhabited by a tribal population, is marked by extreme backwardness and abject poverty. Agriculture is the mainstay of the local population, though it is primarily subsistence due to the very small land holdings. There is insignificant industrial or mining activity. Even the targeted welfare programs have inadequately benefited the tribal population. In this restrictive scenario, the youth has begun to migrate to other states to supplement the family income. Plight of minor girls is that their parents are persuaded by labour contractors to send them to work in the Bt Cotton farms of a nearby state. The soft fingers of the minor girls are well suited for plucking the cotton. The inadequate living and working conditions in these farms have caused serious health issues for the minor girls. NGOs in the districts of domicile and the cotton farms appear to be compromised and have not effectively espoused the twin issues of child labour and development of the area.

You are appointed as the District Collector of Rampura. Identify the ethical issues involved. Which specific steps will you initiate to ameliorate the conditions of minor girls of your district and to improve the over-all economic scenario in the district. *(250 Words / 20 Marks)*

KGS : 5th Floor, A13A, Graphix 1 Tower B, Sector 62, Noida, Uttar Pradesh-201309
Ph. No. : 8757354880
KGS: KHAN GLOBAL STUDIES

16. आप एक बड़े नगर के निगम आयुक्त हैं तथा आपकी छबि एक अत्यंत ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी की है। आपके नगर में एक विशाल बहुउद्देशीय मॉल निर्माणाधीन है जिसमें बड़ी संख्या में दैनिक मजदूरी पाने वाले श्रमिक कार्यरत हैं। मानसून के दौरान एक रात छत का बड़ा भाग गिर जाता है जिससे चार श्रमिकों की तात्कालिक मृत्यु हो जाती है जिनमें दो अवयस्क हैं। अनेक श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें तत्काल चिकित्सा सेवा की आवश्यकता थी। दुर्घटना से मचे हाहाकार ने सरकार को जाँच के आदेश देने हेतु बाध्य किया।

आपकी प्रारंभिक जांच में अनेक विसंगतियों का खुलासा हुआ। निर्माण में लाई गई सामग्री निम्न गुणवत्ता की थी। स्वीकृत निर्माण योजना में केवल एक निम्नतल की अनुमति थी लेकिन एक अतिरिक्त निम्नतल का निर्माण कर लिया गया। नगर निगम के इंस्पेक्टर द्वारा समय-समय पर किए गए निरीक्षण के दौरान इसको अनदेखा किया गया। अपनी जाँच के दौरान आपने पाया कि मास्टर प्लान में उल्लिखित हरित पट्टी एवं एक अभिगम मार्ग के प्रावधान के बाद भी मॉल के निर्माण को अनुमति प्रदान कर दी गई। मॉल के निर्माण की स्वीकृति पूर्व निगम आयुक्त के द्वारा दी गई थी जो न केवल आपके वरिष्ठ हैं और पेशेवर रूप से आपसे अच्छी तरह परिचित हैं, साथ ही आपके अच्छे मित्र भी हैं।

प्रथमदृष्ट्या, यह प्रसंग नगर निगम के अधिकारियों और निर्माणकर्ता के बीच व्यापक सांठगांठ प्रतीत होता है। आपके सहकर्मी आप पर जाँच को मंद गति से करने का दबाव डाल रहे हैं। निर्माणकर्ता, जो कि समृद्ध और प्रभावशाली है, राज्य मंत्रिमंडल के एक शक्तिशाली मंत्री का निकट का रिश्तेदार है। निर्माणकर्त्ता आपको बड़ी राशि देने का वादा कर के प्रसंग को रफादफा करने के लिए बहला फुसला रहा है। वो यह भी ईशारा करता है कि यदि प्रसंग उसके हित में शीघ्र निपटाया नहीं जाता है तो कार्यालय में कोई आपके विरुद्ध यौन उत्पीड़न कार्यस्थल अधिनियम (पोश एक्ट) के अंतर्गत मामला दर्ज करने का इंतजार कर रही है।

इस प्रसंग में निहित नीतिपरक मुद्दों का विवेचन कीजिए। इस परिस्थिति में आपके पास कौन-कौन से विकल्प उपलब्ध हैं? आप के द्वारा चयनित क्रियाविधि को स्पष्ट कीजिए।

You are a municipal commissioner of a large city, having the reputation of a very honest and upright officer. A huge multipurpose mall is under construction in your city in which a large number of daily wage earners are employed. One night, during monsoons, a big chunk of the roof collapsed causing instant death of four labourers including two minors. Many more were seriously injured requiring immediate medical attention. The mishap resulted in a big hue and cry, forcing the government to institute an enquiry.

Your preliminary enquiry has revealed a series of anomalies. The material used for the construction was of poor quality. Despite the approved building plans permitting only one basement, an additional basement has been constructed. This was overlooked during the periodic inspections by the building inspector of the municipal corporation. In your enquiry, you noticed that the construction of the mall was given the green signal despite encroaching on areas earmarked for a green belt and a slip road in the Zonal Master Plan of the city. The permission to construct the mall was accorded by the previous Municipal Commissioner who is not only your senior and well known to you professionally, but also a good friend.

Prima facie, the case appears to be of a widespread nexus between officials of the Municipal Corporation and the builders. Your colleagues are putting pressure on you to go slow in the enquiry. The builder, who is rich and influential, happens to be a close relative of a powerful minister in the state cabinet. The builder is persuading you to hush up the matter, promising you a fortune to do so. He also hinted that if this matter is not resolved at the earliest in his favour there is somebody in his office who is waiting to file a case against you under the POSH Act.

Discuss the ethical issues involved in the case. What are theoptions available to you in this situation? Explain yourselectedcourse of actions. ***(250 Words / 20 Marks)***

17. परमल एक छोटा लेकिन अविकसित जिला है। यहाँ की जमीन पथरीली है जो कृषि योग्य नहीं है, यद्यपि थोड़ी जीविका कृषि जमीन के छोटे टुकडों पर की जाती है। क्षेत्र में पर्याप्त वर्षा होती है और सिंचाई की एक नहर वहाँ से बहती है। अमरिया एक मध्यम श्रेणी का शहर है जो कि इस जिले

का प्रशासनिक केंद्र है। यहाँ एक बड़ा जिला अस्पताल, एक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और कुछ निजी कौशल प्रशिक्षण केंद्र हैं। एक जिला मुख्यालय की सभी सुविधाएं यहाँ उपलब्ध हैं। अमरिया से लगभग 50 कि.मी. दूर एक मुख्य रेलवे लाईन गुजरती है। इसकी कमजोर संयोजकता यहाँ पर किसी भी प्रकार के बड़े उद्योग के अभाव का मुख्य कारण है। नए उद्योग को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने 10 वर्षों के लिए करावकाश दे रखा है।

वर्ष 2010 में, अनिल, एक उद्योगपति ने विभिन्न लाभों को लेने के लिए नूरा गाँव में, जो कि अमरिया से 20 कि.मी. दूर है, अमरिया प्लास्टिक वर्क्स (ए.पी.डब्ल्यू.) स्थापित करने का निर्णय लिया। जिस समय इस फैक्टरी का निर्माण हो रहा था तब अनिल ने आवश्यक मुख्य श्रमिकों को रोजगार दे कर उन्हें अमरिया के कौशल प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षित करवाया। उसके इस कृत्य से मुख्य श्रमिक ए.पी.डब्ल्यू. के प्रति बहुत वफादार हो गए।

नूरा गाँव से ही सभी श्रमिकों को लेकर ए.पी.डब्ल्यू ने 2011 में उत्पादन प्रारम्भ किया। अपने घरों के पास ही रोजगार प्राप्त कर के गाँव वाले बहत खुश थे और मुख्य श्रमिकों ने उन्हें उत्पादन के लक्ष्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए प्रेरित किया। ए.पी.डब्ल्यू ने बहुत लाभ कमाना प्रारम्भ किया जिसका एक बड़ा भाग नूरा गाँव में जीवन स्तर को सुधारने के लिए उपयोग में लिया गया। 2016 तक नूरा गाँव एक हरा-भरा गाँव होने का तथा गाँव के मंदिर के पुनर्निर्माण पर गर्व कर सकता था। स्थानीय विधायक से संपर्क साध कर अनिल ने अमरिया जाने के लिए गाँव से बस सेवाओं की निरंतरता भी बढ़ा दी। सरकार ने नूरा गाँव में ए.पी.डब्ल्यू. द्वारा निर्मित भवनों में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक विद्यालय भी खोल दिया। अपने सी.एस.आर. कोष का उपयोग करते हुए ए.पी.डब्ल्यू ने महिला स्वयं सहायता समूह स्थापित किए, गाँव के बच्चों को प्राथमिक शिक्षा के लिए उपदान प्रदान किया और अपने कर्मचारियों और गरीबों के उपयोग के लिए एक रोगी वाहन प्राप्त किया।

2019 में ए.पी.डब्ल्यू. में एक छोटी सी आग लगी। चूंकि फैक्टरी में अग्नि शमन सुरक्षा की उपयुक्त व्यवस्था थी इसलिए आग को शीघ्र बुझा दिया गया। जाँच में पता चला कि फैक्टरी अपनी अधि कृत क्षमता से अधिक बिजली का उपयोग कर रही थी। इसे शीघ्र ही सुलझा लिया गया। अगले वर्ष, देशव्यापी लॉकडाउन के कारण उत्पादन की आवश्यकता में चार महीनों के लिए गिरावट आ गई। अनिल ने निर्णय लिया कि सभी कर्मचारियों को नियमित रूप से भुगतान किया जाएगा। उसने कर्मचारियों को वृक्षारोपण और गाँव के प्राकृतिक वास को सुधारने के लिए काम में लिया।

ए.पी.डब्ल्यू. ने उच्चस्तरीय उत्पादन और अभिप्रेरित श्रमिक बल की ख्याति अर्जित की।

ए.पी.डब्ल्यू. की कहानी का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए और अंतर्निहित नीतिपरक मुद्दों का उल्लेख कीजिए। क्या आप ए.पी.डब्ल्यू. को पिछड़े हुए क्षेत्रों के विकास के लिए आदर्श मॉडल के रूप में देखते हैं? कारण दीजिए।

Palmar is a small but underdeveloped district. It has rocky terrain that is not suitable for agriculture, through some subsistence agriculture is being done on small plots of land. The area receives adequate rainfall and has an irrigation canal flowing through it. Amria, its administrative centre, is a medium sized town. It houses a large district hospital, an Industrial Training Institute and some privately owned skill training centres. It has all the facilities of a district headquarters. A trunk railway line passes approximately 50 kilometres from Amria. Its poor connectivity is a major reason for the absence of any major industry therein. The state government offers a 10 years tax holiday as an incentive to new industry.

In 2010 Anil, an industrialist. decided to take benefits to set up Amria Plastic works (APW) in Noora village, about 20 km from Amria. While the factory was being built, Anil hired the required key labour and got them trained at the skill training centres at Amria. This act of his made the key personnel very loyal to APW. APW started production in 2011 with the labour drawn fully from Noora village. The villagers were very happy to get employment near their homes and were motivated by the key personnel to meet the production targets with high quality.

KGS : 5th Floor, A13A, Graphix 1 Tower B, Sector 62, Noida, Uttar Pradesh-201309
Ph. No. : 8757354880
KGS: KHAN GLOBAL STUDIES

APW started making large profits, a sizeable portion of which was used to improve the quality of life in Noora. By 2016, Noora could boast of a greener village and a renovated village temple. Anil liaised with the local MLA to increase the frequency of the bus services to Amria. The government also opened a primary health care centre and primary school at Noora in buildings constructed by APW. APW used its CSR funds to set up women's self-help groups, subsidize primary education to the village children and procure an ambulance for use by its employees and the needy.

In 2019, there was a minor fire in APW. It was quickly extinguished as fire safety protocols were in place in the factory. Investigations revealed that the factory had been using electricity in excess of its authorized capacity. This was soon rectified. The next year, due to a nationwide lockdown, the requirement of production fell for four months. Anil decided that all employees would be paid regularly. He employed them to plant trees and improve the village habitat.

APW had developed a reputation of high quality production and a motivated workforce.

Critically analyse the story of APW and state the ethical issues involved. Do you consider APW as a role model for development of backward areas? Give reasons.

(250 Words / 20 Marks)

18. नगरीय अर्थतंत्र के सहायक श्रमिक बल के रूप में मूक रह कर सेवा प्रदान करते हुए, प्रवासी श्रमिक सदैव हमारे समाज के सामाजिक-आर्थिक हाशिये पर रहे हैं। महामारी ने उन्हें राष्ट्रीय केंद्रबिंदु पर ला दिया है।

देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा से, प्रवासी श्रमिकों की एक बड़ी संख्या ने अपने रोजगार के स्थानों से अपने मूल गाँवों को लौटने का निर्णय लिया। आवागमन की अनुपलब्धता ने अपनी समस्याएं खड़ी कर दीं। इसके अलावा अपने परिवारों की भुखमरी और असुविधा का डर भी उन्हें सता रहा था। इनके चलते प्रवासी श्रमिकों ने अपने गाँवों को लौटने के लिए मजदूरी और आवागमन की सुविधाऐं। उनकी मानसिक व्यथा बहु कारणों से और भी बढ़ गई जैसे आजीविका का आकस्मिक नुकसान, भोजन के अभाव की संभावना और समय पर घर नहीं पहुँच पाने से रवि की फसल की कटाई में मदद नहीं करने की असमर्थता। उनकी आशंकाएं ऐसी खबरों से और भी बढ़ गईं जिनमें रास्ते में कुछ जिलों में रहने और खाने के अपर्याप्त प्रबन्ध के बारे में बताया गया था।

जब आपको अपने जिले के जिला आपदा मोचन बल की कार्यवाही का संचालन करने की जिम्मेदारी दी गई थी तो इस परिस्थिति से आपने अनेक सबक हासिल किए। आपके मतानुसार सामयिक प्रवासी संकट में क्या नीतिपरक मुद्दे उभर कर आए? एक नीतिपरक सेवा प्रदाता राज्य से आप क्या समझते हैं? समान परिस्थितियों में प्रवासियों की पीड़ाओं को कम करने में सभ्य समाज क्या सहायता प्रदान कर सकता है?

Migrant workers have always remained at the socio-economic margins of our society, silently serving as the instrumental labour force of urban economics. The pandemic has brought them into national focus.

On announcement of a countrywide lockdown, a very large number of migrant workers decided to move back from their places of employment to their native villages. The non-availability of transport created its own problems. Added to this was the fear of starvation and inconvenience to their families. This caused, the migrant workers to demand wages and transport facilities for returning to their villages. Their mental agony was accentuated by multiple factors such as a sudden loss of livelihood, possibility of lack of food and inability to assist in harvesting their rabi crop due to not being able to reach home in time. Reports of inadequate response of some districts in providing the essential boarding and lodging arrangements along the way multiplied their fears.

You have learnt many lessons from this situation when you were tasked to oversee the functioning of the District Disaster Relief Force in your district. In your opinion 2 what ethical issues arose in the current migrant crisis ? What do you understand by an ethical care giving state ? What assistance can the civil society render to mitigate the sufferings of migrants in similar situations ?

(250 Words / 20 Marks / 2020)

7. सुनील एक युवा लोक सेवक है तथा सक्षमता, ईमानदारी, समर्पण तथा मुश्किल और दुर्वह कामों के लिए अथक प्रयास हेतु उसकी प्रतिष्ठा है। उसकी प्रोफाइल को देखते हुए उसके अधिकारियों ने उसे एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण और संवेदनशील कार्यभार को संभालने के लिए चुना था। उसे अवैध बालू खनन के लिए कुख्यात आदिवासी-बहुल जिले में तैनात किया गया। नदी पट्टी से, अनियंत्रित रूप से बालू उत्खनन करके ट्रकों से ढोकर उसको काला बाजार में बेचा जा रहा था। यह अवैध बालू खनन माफिया स्थानीय कार्यकर्ताओं और आदिवासी बाहुबलियों के सहयोग से काम कर रहा था जो बदले में चुनिंदा गरीब आदिवासियों को रिश्वत देते रहते थे तथा उनको डरा और धमका कर रखते थे।

सुनील ने एक तेज और ऊर्जावान अधिकारी होने के नाते जमीनी हकीकत पहचानकर और माफिया के द्वारा कुटिल तथा संदिग्ध तंत्र के माध्यम से अपनाए गए उनके तौर-तरीकों को तुरंत पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उसने पाया कि उसके अपने कार्यालय के कुछ कर्मचारियों की उनसे मिलीभगत है और उन्होंने उनके साथ घनिष्ठ अवांछनीय गठजोड़ विकसित कर लिया है। सुनील ने उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की और उनके बालू से भरे ट्रकों की आवाजाही के अवैध संचालन पर छापा मारना शुरू कर दिया। माफिया भड़क गया क्योंकि पहले बहुत अधिकारियों ने उनके विरुद्ध इतने बड़े कदम नहीं उठाये थे। कार्यालय के कुछ कर्मचारियों ने जो कथित तौर पर माफिया के करीब थे, उनको सूचित किया कि अधिकारी उस जिले में माफिया के अवैध बालू खनन संचालन को साफ करने के लिए दृढ़ संकल्पित है और उन्हें अपूरणीय क्षति हो सकती है।

माफिया शत्रुतापूर्ण हो गया और जवाबी हमला शुरू किया। आदिवासी बाहुबली और माफिया ने उसको गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देना शुरू कर दिया। उसके परिवार (पत्नी और वृद्ध माता) का पीछा किया जा रहा था, वे उनकी वास्तविक निगरानी में थे जिससे कि उन सभी को मानसिक यातना, यंत्रणा और तनाव हो रहा था। उस समय मामले ने गंभीर रूप धारण कर लिया जब एक बाहुबली उसके कार्यालय में आया और उसको छापे मारना इत्यादि बंद करने की धमकी दी और कहा कि उसका हाल उसके पूर्व अधिकारियों से अलग नहीं होगा (दस वर्ष पूर्व माफिया द्वारा एक अधिकारी की हत्या कर दी गई थी)।

(a) इस स्थिति को संभालने में सुनील के लिए उपलब्ध विभिन्न विकल्पों की पहचान कीजिए।
(b) आपके द्वारा सूचीबद्ध विकल्पों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
(c) आपके विचार से उपर्युक्त में से कौन-सा विकल्प सुनील के लिए सबसे उपयुक्त होगा और क्यों?

Sunil is a young civil servant and has a reputation for his competence, integrity. dedication and relentness pursuit of difficult and onerous jobs. Considering his profile, he was picked up by his bosses to handle a very challenging and sensitive assignment. He was posted in a tribal dominated district notorious for illegal sand mining. Excavating sand from river belt and transporting through trucks and selling them in black market was rampant. This illegal sand mining mafia was operating with the support of local functionaries and tribal musclemen who in turn were bribing selected poor tribals and had kept the tribals under fear and intimidation. Sunil being a sharp and energetic officer immediately grasped the ground realities and the modus operandi followed by the mafia through their devious and dubious mechanism. On making inquiries, he gathered that some of their own office employees are in hand and glove with them and have developed close unholy nexus. Sunil initiated stringent action against them and started conducting raids on their illegal operations of movement of trucks filled with sand. The mafia got rattled as not many officers in the past had taken such strong steps against the mafia. Some of the office employees who were allegedly close to mafia informed them that the officer is determined to clean up the mafia's illegal sand mining operations in that district and may cause them irreparable damage. The mafia turned hostile and launched counter-offensive. The tribal musclemen and mafia started threatening him with dire consequences. His family (wife and old mother) were stalked and were under virtual surveillance and thus causing

KGS : 5th Floor, A13A, Graphix 1 Tower B, Sector 62, Noida, Uttar Pradesh-201309
Ph. No. : 8757354880

mental torture, agony and stress to all of them. The matter assumed serious proportions when a muscleman came to his office and threatened him to stop raids, etc. otherwise; his fate will not be different than some of his predecessors (ten years back one officer was killed by the mafia).

(a) Identify the different options available to Sunil in attending to this situation.
(b) Critically evaluate each of the options listed by you
(c) Which of the above, do you think, would be the most appropriate for Sunil to adopt and why?

(Answer in 250 words) 20

8. आप एक मध्यवर्गीय शहर में डिग्री कॉलेज के उप-प्रधानाचार्य हैं। प्रधानाचार्य हाल ही में सेवानिवृत्त हुए हैं और प्रबंधन उनके प्रतिस्थापन की तलाश कर रहा है। यह भी माना जाता है कि प्रबंधन आपको प्रधानाचार्य के रूप में पदोन्नत कर सकता है। इस बीच वार्षिक परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय से आए उड़नदस्ते ने दो छात्रों को अनुचित तरीकों का उपयोग करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। कॉलेज का एक वरिष्ठ व्याख्याता व्यक्तिगत रूप से इन छात्रों को इस कार्य में मदद कर रहा था। यह वरिष्ठ व्याख्याता प्रबंधन का करीबी भी माना जाता था। उनमें से एक छात्र स्थानीय राजनेता का बेटा था, जो कॉलेज को वर्तमान प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से संबंधन कराने में मददगार रहा था। दूसरा छात्र एक स्थानीय व्यवसायी का बेटा था जिसने कॉलेज चलाने के लिए अधिकतम धन दान दिया था। आपने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बारे में तुरंत प्रबंधन को सूचित किया। प्रबंधन ने आपको किसी भी कीमत पर उड़नदस्ते के साथ इस मुद्दे को हल करने के लिए कहा। उन्होंने आगे कहा कि इस घटना से न केवल कॉलेज की छवि खराब होगी बल्कि राजनेता और व्यवसायी भी कॉलेज के कामकाज के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण व्यक्ति हैं। आपको यह भी संकेत दिया गया था कि प्रधानाचार्य के रूप में आपकी आगे की पदोन्नति उड़नदस्ते के साथ मुद्दे को हल करने की आपकी क्षमता पर निर्भर करती है। इस दौरान आपके प्रशासन अधिकारी ने सूचित किया कि छात्र संघ के कुछ सदस्य इस घटना में शमिल वरिष्ठ व्याख्याता और छात्रों के खिलाफ कॉलेज के गेट के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

(a) इस मामले से संबंधित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
(b) उप-प्रधानाचार्य के रूप में आपके पास उपलब्ध विकल्पों का आलोचनात्मक रूप से परीक्षण कीजिए। आप कौन-सा विकल्प अपनाएँगे और क्यों?

You are Vice Principal of a degree college in one of the middle-class towns. Principal has recently retired and management is looking for his replacement. There are also feelers that the management may promote you as Principal. In the meantime, during annual examination the flying squad which came from the university caught two students red-handed involving in unfair means. A senior lecturer of the college was personally helping these students in this act. This senior lecturer also happens to be close to the management. One of the students was son of a local politician who was responsible in getting college affiliated to the present reputed university. The second student was son of a local businessman who has donated maximum funds for running of the college. You immediately informed the management regarding this unfortunate incident. The management told you to resolve the issue with flying squad at any cost. They further said that such incident will not only tarnish the image of the college but also the politician and businessman are very important personalities for the functioning of the college. You were also given hint that your further promotion to Principal depends on your capability in resolving this issue with flying squad. In the meantime, you were intimated by your administrative officer that certain members of the student union are protesting outside the college gate against the senior lecturer and the students involved in this incident and demanding strict action against defaulters.

(a) Discuss the ethical issues involved in the case.
(b) Critically examine the options available with you as Vice Principal. What option will you adopt and why?

(Answer in 250 words) 20

9. किसी राज्य-विशेष की राजधानी में यातायात की भीड़ को कम करने के लिए एक एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। आपकी पेशेवर क्षमता और अनुभव के आधार पर आपको

इस प्रतिष्ठित परियोजना के परियोजना प्रबंधक के रूप में चुना गया है। अगले दो वर्षों में परियोजना को पूरा करने की समय-सीमा 30 जून, 2021 है क्योंकि इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री द्वारा जुलाई 2021 के दूसरे सप्ताह में चुनाव की घोषणा से पहले होना है। निरीक्षण दल द्वारा औचक निरीक्षण करते समय, संभवत: खराब सामग्री के इस्तेमाल के कारण एलिवेटेड कॉरिडोर के एक पाये में एक छोटी-सी दरार देखी गई थी। आपने तुरंत मुख्य अभियंता को सूचित किया और आगे का काम रोक दिया। आपके द्वारा यह आकलन किया गया था कि एलिवेटेड कॉरिडोर के कम-से-कम तीन पायों को तोड़ना और उनका पुनर्निर्माण किया जाना है। परंतु यह प्रक्रिया परियोजना में कम-से-कम चार से छ: महीने की देरी कर देगी। किन्तु मुख्य अभियंता ने निरीक्षण दल के अवलोकन को इस आधार पर निरस्त कर दिया कि यह एक छोटी-सी दरार है जो किसी भी तरह से पुल की क्षमता और टिकाऊपन को प्रभावित नहीं करेगी। उसने आपको निरीक्षण दल के अवलोकन की अनदेखी कर उसी गति तथा लय के साथ काम जारी रखने का आदेश दिया। उसने आपको सूचित किया कि मंत्री कोई देरी नहीं चाहते हैं क्योंकि वे एलिवेटेड कॉरिडोर का उद्घाटन मुख्यमंत्री से चुनाव की घोषणा होने से पहले करवाना चाहते हैं। यह भी सूचित किया कि ठेकेदार मंत्री का दूर का रिश्तेदार है और वे चाहते हैं कि वह इस परियोजना को पूरा करे। उसने आपको इशारा भी किया कि अतिरिक्त मुख्य अभियंता के रूप में आपकी आगे की पदोन्नति मंत्रालय के विचाराधीन है। तथापि आपने दृढ़ता से महसूस किया कि एलिवेटेड कॉरिडोर के पाये में छोटी-सी दरार पुल की क्षमता और जीवनकाल पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी और इसलिए एलिवेटेड कॉरिडोर की मरम्मत न करना बहुत खतरनाक होगा।

(a) दी गई शर्तों के तहत परियोजना प्रबंधक के रूप में आपके पास कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं?

(b) वे कौन-सी नैतिक दुविधाएँ हैं, जिनका परियोजना प्रबंधक सामना कर रहा है?

(c) परियोजना प्रबंधक द्वारा सामना की जाने वाली व्यावसायिक चुनौतियाँ क्या हैं और उन चुनौतियों से पार पाने के लिए उसकी प्रतिक्रिया क्या है?

(d) निरीक्षण दल द्वारा उठाए गए अवलोकन की अनदेखी के परिणाम क्या हो सकते हैं?

An elevated corridor is being constructed to reduce traffic congestion in the capital of a particular state. You have been selected as project manager of this prestigious project on your professional competence and experience. The deadline is complete the project in next two years by 30 June, 2021, since this project is to be inaugurated by the Chief Minister before the elections are announced in the second week of July 2021. While carrying out the surprise inspection by inspecting team, minor crack was noticed in one of the piers of the elevated corridor possibly due to poor material used. You immediately informed the chief engineer and stopped further work. It was assessed by you that minimum three piers of the elevated corridor have to be demolished and reconstructed. But this process will delay the project minimum by four to six months. But the chief engineer overruled the observation of inspecting team on the ground that it was a minor crack which to not in any way impact the strength and durability of the bridge. He ordered you to overlook the observation of inspecting team and continue working with same speed and tempo. He informed you that the minister does not want any delay as he wants the Chief Minister to inaugurate the elevated corridor before the elections are declared. Also informed you that the contractor is far relative of the minister and he wants him to finish the project. He also gave you hint that your further promotion as additional chief engineer is under consideration with the ministry. However, you strongly felt that the minor crack in the pier of the elevated corridor will adversely affect the health and life of the bridge and therefore it will be very dangerous not to repair the elevated corridor.

(a) Under the given conditions, what are the options available to you as a project manager?

(b) What are the ethical dilemmas being faced by the project manager?

(c) What are the professional challenges likely to be faced by the project manager and his response to overcome such challenges?

(d) What can be the consequences of overlooking the observation raised by the inspecting team?

(Answer in 250 words) 20

KGS : 5th Floor, A13A, Graphix 1 Tower B, Sector 62, Noida, Uttar Pradesh-201309
Ph. No. : 8757354880
KGS: KHAN GLOBAL STUDIES

10. कोरोनावायरस रोग (कोविड-19) महामारी तेजी से विभिन्न देशों में फैली है। 8 मई, 2020 तक भारत में कोरोना के 56342 पॉजिटिव मामले सामने आए थे। भारत को, जिसकी जनसंख्या 1.35 बिलियन से अधिक है, जनसंख्या में कोरोनावायरस के संचरण को नियंत्रित करने में कठिनाई आई थी। इस प्रकोप से निपटने के लिए कई रणनीतियाँ आवश्यक हो गई थीं। भारत के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने इस प्रकोप के बारे में जागरूकता बढ़ाई और कोविड-19 के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए सभी आवश्यक कार्रवाईयाँ कीं। भारत सरकार ने वायरस के संचरण को कम करने के लिए पूरे देश में 55 दिनों का लॉकडाउन लागू किया। स्कूल और कॉलेज में शिक्षण-सीखना-मूल्यांकन और प्रमाणीकरण के वैकल्पिक तरीके सामने आए। इन दिनों ऑनलाइन मोड लोकप्रिय हो गया।

भारत इस तरह के संकटपूर्ण अचानक हुए हमले के लिए तैयार नहीं था क्योंकि मानव संसाधन, धन और ऐसी स्थिति में देखभाल करने के लिए बुनियादी ढांचे के रूप में अन्य सुविधाओं की कमी थी। इस बीमारी ने एक तरफ तो जाति, पंथ, धर्म की परवाह किए बिना किसी को नहीं बख्शा और दूसरी तरफ 'अमीर-गरीब' दोनों को भी नहीं छोड़ा। अस्पताल में बिस्तर, ऑक्सीजन सिलेंडर, एम्बुलेंस, अस्पताल-कर्मचारी और श्मशान की कमी सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू थे।

आप ऐसे समय एक सार्वजनिक अस्पताल में अस्पताल प्रशासक हैं जब कोरोनावायरस ने बड़ी संख्या में लोगों पर हमला किया और अस्पताल में मरीजों का दिन-रात आना-जाना लगा रहता था।

(a) पूरी तरह से जानते हुए कि यह अत्यधिक संक्रामक रोग है और संसाधन तथा बुनियादी ढाँचे सीमित हैं, अपने नैदानिक और गैर-नैदानिक कर्मचारियों को रोगियों की देखभाल करने में लगाने के लिए आपके मानदंड और औचित्य क्या हैं?

(b) यदि आपका निजी अस्पताल है, तो क्या आपका औचित्य और निर्णय वैसा ही होता जैसा कि सार्वजनिक अस्पताल में? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

The Coronavirus disease (COVID 19) pandemic has quickly spread to various countries. As on May 8th 2020, in India 56342 cases of corona had been reported. India with population of more than 1.35 billion had difficulty in controlling the transmission of Coronavirus among its population. Multiple strategies became necessary to handle this outbreak. The ministry of health and family welfare of India raised awareness about this outbreak and to take all necessary actions to control the spread of Covid 19. Indian Govt. implemented a 55 day lockdown throughout the country to reduce the transmission of virus. Schools and colleges had shifted to alternative mode of teaching-learning-evaluation and certification. Online mode became popular during these days.

India was not prepared for the sudden onslaught of such a crisis due to limited in terms of human resource, money and other facilities needed for taking care of this situation. This disease did not spare anybody irrespective of caste, creed ,religion on the one hand have and have not on the other. Deficiencies in hospital beds, Oxygen cylinders, ambulances, hospital staff and crematorium were the most crucial aspects

You are a hospital administrator in a public hospital at the time when Coronavirus had attacked large number of people and patients were pouring into hospital day in and day out.

(a) What are your criteria and justification for putting your clinical and non clinical staff to attend the patients knowing fully well that it is highly infectious disease and resources and infrastructure are limited?

(b) If yours is a private hospital, whether your justification and decision would remain the same as that of a public hospital? ***(Answer in 250 words) 20***

11. भारत में स्थित एक प्रतिष्ठित खाद्य उत्पाद कंपनी ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार के लिए एक खाद्य उत्पाद विकसित किया और आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद उसका निर्यात शुरू कर दिया। कंपनी ने इस उपलब्धि की घोषणा की और संकेत भी दिया कि जल्द ही यह उत्पाद घरेलू उपभोक्ताओं के लिए लगभग समान गुणवत्ता और स्वास्थ्य लाभ के साथ उपलब्ध कराया जाएगा। तदनुसार, कंपनी

ने अपने उत्पाद को घरेलू सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित कराया और उत्पाद को भारतीय बाजार में लॉन्च किया। कंपनी ने समय के साथ बाजार में अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाया और घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्याप्त लाभ अर्जित किया। हालांकि दल द्वारा किए गए यादृच्छिक नमूनों (रैंडम सैम्पल) परीक्षण में पाया गया कि सक्षम प्राधिकारी से प्राप्त अनुमोदन भिन्न उत्पाद को घरेलू स्तर पर बेचा जा रहा है। आगे की जाँच में यह भी पता चला कि खाद्य कंपनी न केवल ऐसे उत्पाद को बेच रही थी जो देश के स्वास्थ्य मानकों को पूरा नहीं कर रहे थे बल्कि अस्वीकृत निर्यात उत्पाद को भी घरेलू बाजार में बेच रही थी। इस प्रकरण ने खाद्य कंपनी की प्रतिष्ठा और लाभदायकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाला।

(a) घरेलू बाजार के लिए निर्धारित खाद्य मानकों का उल्लंघन करने और अस्वीकृत निर्यात उत्पादों को घरेलू बाजार में बेचने के लिए खाद्य कंपनी के खिलाफ सक्षम प्राधिकारी द्वारा आप क्या कार्रवाई की कल्पना करते हैं।

(b) संकट को हल करने और अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को वापस लाने के लिए खाद्य कंपनी के पास क्या क्रियाविधि उपलब्ध है?

(c) मामले में निहित नैतिक दुविधा की जाँच कीजिए।

A reputed food product company based in India developed a food product for the international market and started exporting the same after getting necessary approvals. The company announced this achievement and also indicated that soon the product will be made available for the domestic consumers with almost same quality and health benefits. Accordingly, the company got its product approved by domestic competent authority and launched the product in Indian market. The company could increase its market share over a period of time and earned substantial profit both domestically and internationally. However the random sample test conducted by the inspecting team found the product being sold domestically in variance with the approval obtained from competent authority. On further investigation it was also discovered that the food company was not only selling products which were not meeting the health standards of the country but also selling the rejected export products in the domestic market. This episode adversely affected the reputation and profitability of the food company.

(a) What action do you visualize should be taken by the competent authority against the food company for violating the laid down domestic food standard and selling rejected export products in domestic market?

(b) What course of action is available with the food company to resolve the crisis and bring back its lost reputation?

(c) Examine the ethical dilemma involved in the case. ***(Answer in 250 words) 20***

12. पवन पिछले दस वर्षों से राज्य सरकार में अधिकारी के पद पर कार्यरत है। नियमित स्थानांतरण के अंतर्गत उसे दूसरे विभाग में तैनात किया गया। उसने अन्य पाँच साथियों के साथ एक नए कार्यालय में कार्यभार ग्रहण किया। कार्यालय का प्रमुख एक वरिष्ठ अधिकारी था जो अपने कार्यालय की कार्यप्रणाली में निपुण था। सामान्य पूछताछ के दौरान पवन को पता चला कि वरिष्ठ अधिकारी का खुद का पारिवारिक जीवन अशांत होने के साथ-साथ वह कठोर और असंवेदनशील छवि वाला है। शुरू में लगा कि सब ठीक चल रहा है। हालांकि, कुछ समय बाद ही पवन ने महसूस किया कि उसका वरिष्ठ अधिकारी आमतौर पर उसको अपमानित करता था और कभी-कभी अविवेकी था। बैठकों में पवन जो भी सुझाव देता था उन्हें सिरे से खारिज कर दिया जाता था और दूसरों की उपस्थिति में वरिष्ठ अधिकारी नाराजगी व्यक्त करता था। यह वरिष्ठ अधिकारी के कामकाज की शैली का तरीका बन गया जिसमें उसको गलत ढंग से दिखाया जाता, उसकी कमजोरियों को उजागर किया जाता और सार्वजनिक रूप से अपमानित किया जाता था। यह स्पष्ट हो गया कि यद्यपि ये काम से संबंधित कोई गंभीर समस्या/कमियाँ नहीं थीं, लेकिन वरिष्ठ अधिकारी हमेशा किसी बहाने से उसे डांटता और उस पर चिल्लाता। पवन के लगातार उत्पीड़न और सार्वजनिक आलोचना के परिणामस्वरूप उसके आत्मविश्वास,

KGS : 5th Floor, A13A, Graphix 1 Tower B, Sector 62, Noida, Uttar Pradesh-201309
Ph. No. : 8757354880
KGS: KHAN GLOBAL STUDIES

आत्मसम्मान और समभाव को नुकसान पहुंचा। पवन ने महसूस किया कि वरिष्ठ अधिकारी के साथ उसके संबंध और अधिक विषाक्त होते जा रहे हैं तथा वह निरंतर तनावग्रस्त, चिंतित एवं दबाव महसूस करने लगा है। उसका मन नकारात्मकता से भरा हुआ था और उसे मानसिक यातना, पीड़ा और व्यथा को झेलना पड़ रहा था। आखिरकार, इसने उसके व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया। घर पर भी वह अब उल्लसित, प्रसन्न और संतुष्ट नहीं रहता था, बल्कि बिना किसी कारण के वह अपनी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अपना आपा खो देता था। पारिवारिक वातावरण अब सुखद और अनुकूल नहीं रह गया था। उसकी पत्नी, जो हमेशा उसका साथ देती थी, वह भी नकारात्मकता और शत्रुतापूर्ण व्यवहार का शिकार हो गई। कार्यालय में उसके अपमान और उत्पीड़न के कारण उसके जीवन से आराम और खुशी लगभग गायब हो गई। इस प्रकार इसने उसके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाया।

(a) इस स्थिति से निपटने के लिए पवन के पास कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं?

(b) कार्यालय और घर में शांति, प्रशांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण लाने के लिए पवन को क्या दृष्टिकोण अपनाना चाहिए?

(c) एक बाहरी व्यक्ति के रूप में वरिष्ठ अधिकारी तथा अधीनस्थ दोनों के लिए इस स्थिति से उबरने और कार्यनिष्पादन, मानसिक तथा भावात्मक स्वास्थ्य में सुधार के लिए आपके क्या सुझाव हैं?

(d) उपर्युक्त परिदृश्य में, आप सरकारी कार्यालयों में विभिन्न स्तरों के अधिकारियों के लिए किस प्रकार के प्रशिक्षण का सुझाव देंगे?

Pawan is working as an officer in the State Government for the last ten years. As a part of routine transfer, he was posted to another department. He joined in a new office along with five other colleagues. The head of the office was a senior officer conversant with the functioning of the office. As a part of general inquiry, Pawan gathered that his senior officer carries the reputation of being difficult and insensitive person having his own disturbed family life. Initially, all seem to go well. However, after some time Pawan felt that the senior officer was belittling him and at times unreasonable. Whatever suggestions given or views expressed by Pawan in the meetings were summarily rejected and the senior officer would express in the displeasure presence of others. It became a pattern of boss's style of functioning to show him in bad light highlighting his shortcomings and humiliating publically. It became apparent that though there are no serious work-related problems/shortcomings, the senior officer was always on one pretext or the other and would scold and shout at him. The continuous harassment and public criticism of Pawan resulted in loss of confidence, self-esteem and equanimity. Pawan realized that his relations with his senior officer are becoming more toxic and due to this, he felt perpetually tensed, anxious and stressed. His mind was occupies with negativity and caused him mental torture, anguish and agony. Eventually, it badly affected his personal and family life. He was no longer joyous, happy and other family members contented even at home. Rather without way reasons he would lose his temper with his wife and other family members. The family environment was no longer pleasant and congenial. His wife who was always supportive to him also became a victim of his negativity and hostile behavior. Due to harassment and humiliation suffering by him in the office, comfort and happiness virtually vanished from his life. Thus it damaged his physical and mental health.

(a) What are the options available with Pawan to cope up with the situation?

(b) What approach Pawan should adopt for bringing peace, tranquility and congenial environment in the office and home?

(c) As an outsider, what are your suggestions for both boss and subordinate to overcome this situation and for improving the work performance, mental and emotional hygiene?

(d) In the above scenario, what type of training would you suggest for officers at various levels in the government offices? ***(Answer in 250 words) 20***

1. **प्रकरण:** निशांत सामाजिक रूप से संवेदनशील, समाजवादी विचार के बुद्धिजीवी एवं प्रोफेसर हैं। वे अपने लेखों, भाषणों और मीडिया के माध्यम से मजदूरों, अल्पसंख्यकों, दलितों, महिलाओं एवं जनजातियों के स्वर को मुखरित करते हैं। एक पार्टी भी उन्हें अपने थिंक टैंक में रखे हुये है। इसी क्रम में वे आह्वान करते है कि सम्भ्राट जनों, प्रबुद्धों, राजनीतिज्ञों एवं अधिकारियों को अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में प्रवेश दिलाना चाहिये। प्रवेश के महीनों में अभिजात्य स्कूलों के मापदण्डों पर बहस होती है और उसकी शिक्षा के हित में आलोचना भी होती है, जिसमें निशांत भी सम्मिलित रहते हैं; किंतु पता चलता है कि वे स्वयं अपने बच्चों को एक अभिजात्य स्कूल में प्रवेश दिलाने हेतु प्रयासरत हैं। अत: उनके इस कृत्य को आलोचना भी होती है। कहा जाता है कि वे 'करते कुछ है और कहते कुछ है।'

अत: प्रश्न हैं:

1. क्या निशांत को भी अपने बच्चे को सरकारी स्कूल में प्रवेश दिला देना चाहिये?
2. क्या निशांत को बौद्धिक विमर्श त्याग देना चाहिये?
3. क्या उन्हें अपने पार्टी के लोगों को अपने समर्थन में खड़ा करना चाहिये?
4. या अपने बच्चे का प्रवेश अभिजात्य स्कूल में करा देना चाहिये? विवेचना कीजिये।

Case: Nishant is a socially sensitive, socialist, intellectual and professor. Through his articles, speeches and media, he raises the voices of labourers, minorities, downtroddens, women and tribals. A party keeps him in its think tank. In this sequence once he calls the members of civil society, intellectuals, politicians and officers to get their children admitted in the government schools. In the season of admissions, the elite schools are highly criticised for these criteria and its impact on education and Nishant also joins in these criticism; meanwhile it comes out that Nishant himself is trying to get his child admitted in an elite school. People condemn this attitude of Nishant and say that his 'action and words are mismatched'.

Question therefore is:

1. Should Nishant get his child admitted in the government school ?
2. Should Nishant leave his intellectual discourses ?
3. Should he call his party followers in his favour ?
4. Or should he try to get the admission of his child in the elite school ? Discuss.

(200 Words / 12 Marks)

2. एक जन सूचना अधिकारी को 'सूचना का अधिकार अधिनियम' के अंतर्गत एक आवेदन मिलता हैं। वांछित सूचना एकत्र करने के बाद उसे पता चलता है कि वह सूचना स्वयं उसी के द्वारा लिये गये कुछ निर्णयों से संबंधित है, जो पूर्ण रूप से सही नहीं थे। इन निर्णयों में अन्य कर्मचारी भी सहभागी थे। सूचना प्रकट होने पर स्वयं उसके तथा अन्य सहयोगियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है, जिसमें दण्ड भी सम्भावित है। सूचना प्रकट न करने पर या आंशिक सूचना उपलब्ध कराने पर कम दण्ड या दण्ड मुक्ति भी मिल सकती है।

जन सूचना अधिकारी एक ईमानदार एवं कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्ति हैं, परंतु जिस विशिष्ट निर्णय, जिसके संबंध में आर.टी.आई. में आवेदन किया गया है, वह गलत निर्णय है।

वह अधिकारी आपके पास सलाह के लिए आता है। ऐसी स्थिति में आप उसे क्या सलाह देंगे? तर्कपूर्ण ढंग से व्याख्या कीजिये।

A Public Information Officer has received an application under 'Right To Information (RTI) Act'. After gathering the required information, he finds that the informations pertain to some of the decisions taken by him, which were not totally correct. Some other employees were also a party to these decisions. Disclosure of the informations may lead towards disciplinary action against him and his other colleagues including probable punishment. Non-disclosure of information or partial disclosure of information may result to less or no punishment.

KGS : 5th Floor, A13A, Graphix 1 Tower B, Sector 62, Noida, Uttar Pradesh-201309
Ph. No. : 8757354880

The Public Information Officer is an honest and conscientious person but the particular decision regarding which an application under the RTI Act was lodged was a wrong decision. The officer comes to you for your advice under the above conditions what will be your advice to the officer? Explain logically. *(200 Words / 12 Marks)*

2019

3. आप एक पी.सी.एस. अधिकारी बनने की कोशिश कर रहे हैं और विभिन्न चरणों को पार कर व्यक्तिगत साक्षात्कार हेतु अर्ह हो गए हैं। साक्षात्कार हेतु जाते समय रास्ते में आपने देखा कि एक बुजुर्ग व्यक्ति अपनी पोती के साथ कहीं जा रहा है। अचानक उसे आपके सामने दिल का दौरा पड़ता है और बुजुर्ग की पोती आपसे सहायता की पुकार करती है। ऐसी दशा में आप क्या करेंगे? विस्तृत चर्चा करें।
You are trying to become a P.C.S. officer and after clearing various stages now you are eligible for the personal interview. While going to appear the interview, you saw that an elderly man is going somewhere with his grand daughter. Suddenly he gets a heart attack In front of you. The grand-daughter of elderly man comes pleading for your help. What will you do? Discuss in detail. *(200 Words / 12 Marks)*

4. मीनू सदैव अपनी सहेलियों को यह बताती रहती है कि उसे समाज-सेवा से बहुत लगाव है। उसकी सहेलियों ने पाया कि वह किसी भी समाज कल्याण क्रियाकलापों में सहभागिता नहीं करती। उसकी एक सहेली के पिता एक गैर सरकारी संगठन (एन.जी.ओ.) से सम्बद्ध हैं तथा वह समाज के गरीब वर्गों के लिए निस्तर समाज कल्याण-क्रियाकलाप जैसे मुफ्त कपड़े एवं दवाइयों का वितरण आयोजित करते रहते हैं। मीनू की सहेली ने कई बार एन.जी.ओ. के लिए समय देने के लिए कहा पर मीनू ने इसमें कोई रुचि नहीं दिखाई।
मीनू के व्यवहार के लिए क्या सम्भावित स्पष्टीकरण दिए जा सकते हैं? मनोवैज्ञानिक तौर पर औचित्य सिद्ध कीजिए।
Meenu keeps telling her friends that she is fond of social service. Her friends notice that she, however, does not participate in any social welfare activities. One of her friends's father is associated with a Non-Government Organisation (NGO) and he frequently organises social welfare activities such as free distribution of clothes and medicines to the poor segments of the society. Meenu's friend asked her many times to contribute some time for the NGO but Meenu showed no interest.
What probable explanations can be given for Meenu's conduct ? Justify psychologically.
(200 Words / 12 Marks)

2020

1. एक कर्मचारी अपने कार्यालय में रिश्वत ले रहा था। उसके अधिकारी ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। अधिकारी जानता है कि यदि उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया जाता है. तो उसके वृद्ध माता-पिता बेघर व बेसहारा हो जायेंगे। इसलिए अधिकारी ने उसे चेतावनी देकर छोड़ दिया। कल्पना कीजिए कि आप वही अधिकारी है। इन स्थितियों में आप क्या करेंगे? विस्तृत चर्चा करिये।
An employee was taking a bribe in his office. His officer caught him red-handed. The officer knows that if he is dismissed from his job, his old parents will become homeless and destitute. Therefore, the officer left him with a warning only. Imagine that you are the same officer. What will you do in these situations? Discuss in detail. *(125 Words / 8 Marks)*

2. देवानन्द, पेंशन विभाग में अनुसचिव के रूप में कार्य करते हैं। एक दिन उसके मित्र गरुदत्त जो स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया में एक पी.ओ. है, निम्न घटना का जिक्र करते हैं :
   1. पिछले दो वर्षों से सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी श्री अशोक कुमार अपनी मासिक पेंशन का 30% श्रीमती बिन्दू चोपड़ा को चेक के माध्यम से हर महीने भुगतान कर रहे हैं।
   2. मैंने पाया कि श्रीमती चोपड़ा पेंशन कार्यालय में आपके अधीन कार्य कर रहे अनुभाग अधिकारी श्री प्रेम चोपड़ा की पत्नी हैं।

3. मुझे इसमें संशय लग रहा है कि हो सकता है, यह घूस सम्बन्धी घोटाला हो जिसमें एक वरिष्ठ नागरिक को प्रेम चोपड़ा से पेंशन सम्बन्धी फाइल का निपटारा करने के लिए घूस देने के लिए बाध्य किया जा रहा हो और पत्नी के खाते में घूस जमा करने को विवश किया जा रहा हो।

देवानन्द, श्री अशोक कुमार के घर जाते हैं और पाते हैं कि वे अल्जाइमर के रोग से ग्रस्त है और सुसंगत उत्तर देने में अक्षम है। निराश देवानन्द सीधे प्रेम चोपड़ा से ही पूछताछ करने लगते हैं। प्रेम चोपड़ा बताते हैं, "श्री अशोक कुमार उसके पिता के मित्र हैं। उनकी न तो कोई संतान है और न ही रिश्तेदार, मेरी पत्नी बिन्दु लम्बे समय से उनकी देखभाल पुत्री की तरह कर रही हैं। इसलिए श्री अशोक कुमार शुभेच्छा से हमें धन प्रदान कर रहे हैं, जिससे कि हम अपने पुत्र को कोटा (राजस्थान) में आई.आई.टी. की महंगी कोचिंग करा रहे हैं। यह वैयक्तिक पारिवारिक मामला है और इससे आपका (देवानन्द) कोई लेना देना नहीं है।"

आप क्या सोचते हैं कि देवानन्द ने भयंकर गलती की या वे अपने नैतिक कर्तव्य का निर्वहन कर रहे हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

Dev Anand is working as undersecretary in the Pension Department. One day, his friend Guru Dutta, an S.B.I. P.O. narrates the following incident:

1. For last two years, a retired government employee Mr. Ashok Kumar is giving 30% of his monthly pension to Mrs. Bindu Chopra every month through a cheque.
2. I found that Mrs. Chopra happens to be the wife of Mr. Prem Chopra, a Section Officer in the pension office under you.
3. I feel something is fishy may be this is part of a bribe scam, where a senior citizen is forced to pay money to clear his pension files from Prem Chopra and to submit bribes in his wife's account.

Dev Anand visits Mr. Ashok Kumar's home and finds that he is suffering from Alzheimer's disease unable to give coherent answers. Frustrated Dev Anand directly questions Prem Chopra. But Prem Chopra says, "Mr. Ashok Kumar was a friend of my father. He has no relatives and children and my wife Bindu has been taking care of him like a daughter since a long time. Therefore Mr. Ashok Kumar gives us money out of goodwill and so we can send our son to an expensive IIT. coaching at Kota, Rajasthan. Besides, this is a personal family matter and none of your damn business" Do you think that Deva Anand has made a blunder or is he merely performing an ethical duty ? Answer logically. *(200 Words / 12 Marks)*

3. आप एक लोक सेवक हैं, जो ऐसे प्रदेश में तैनात हैं जहाँ अभी-अभी चुनाव सम्पन्न हुए हैं। नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री के चुनाव घोषणा-पत्र में शराब-बंदी प्रमुख वादा था। इस वादे को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री ने प्रदेश में शराब की खरीद एवं बिक्री पर पूर्णत: प्रतिबंध लगा दिया। क्या सरकार को इस मामले में दखल देना चाहिए जो ज्यादातर के द्वारा व्यक्तिगत पसंद/इच्छा का मामला माना जाता हो? तर्कसंगत रूप से समीक्षा कीजिए।

You are a civil servant posted in State where elections were held recently. To ban the sale of alcohol was the main promise in the election manifesto of newly elected Chief Minister. To fulfil this promise, Chief Minister has ordered a total ban on sale and purchase of the alcohol in the State. Whether the government should interfere in the matter which is considered by many to be a matter of personal choice? Comment logically. *(200 Words / 12 Marks)*

2021

4. दुग्ध व्यावसायियों के संगठन द्वारा एक शांतिपूर्ण धरना दिया जा रहा था। पुलिस अधीक्षक पुलिस कर्मियों को निर्देशित करते हैं कि संगठन को किसी प्रकार की हिंसा न करने दें। पुन: वे कहते हैं कि यदि आवश्यकता हो, तो उन्हें 'पाठ पढ़ा दें'। एक तैनात पुलिस कर्मी धरना देने वाले एक व्यक्ति से बहस करता है और पिटायी कर देता है। कारण पूछे जाने पर वह कहता है कि पुलिस अधीक्षक ने पाठ पढ़ाने के लिए कहा था। उपर्युक्त प्रकरण के परिप्रेक्ष्य में पुलिस अधीक्षक तथा पुलिस कर्मी के नैतिक आचरण पर टिप्पणी लिखिए।

A peaceful protesty was being carried out by a group of milk traders. The Superintendent of

KGS : 5th Floor, A13A, Graphix 1 Tower B, Sector 62, Noida, Uttar Pradesh-201309
Ph. No. : 8757354880

Police instructs the Police Officials to prevent the group from committing any type of violence. He however tells them to 'teach them a lesson', if situation warrants. A Police Official on duty indulges into an argument with a protestor and beats him up. When inquired about his action, he says that hewas told to teach them a lesson by the Superintendent of Police Official in the light of above mentioned incident. ***(125 Words / 8 Marks)***

5. राम मूर्ति एक सरकारी कर्मचारी हैं तथा अपने वृद्ध माता-पिता के साथ इंदौर में रहते हैं। एक दिन भ्रमण के दौरान 11 वर्ष के एक अनाथ बालक से उनकी मुलाकात हो जाती है। वह दयनीय स्थिति में एक बेघर बालक था, जिसकी देख-भाल करने वाला कोई नहीं था। राम मूर्ति उस बालक को अपने घर ले जाते हैं और प्रस्ताव रखते हैं कि यदि वह राम मूर्ति के वृद्ध माता-पिता की देखभाल करेगा, तो वे उसकी आवश्यकतानुसार दैनिक मजदूरी देंगे तथा शिक्षा की भी व्यवस्था करेंगे। नैतिक दृष्टिकोण से राम मूर्ति के आचरण का मूल्यांकन कीजिए।

Ram Murti is a Government servant and lives with his old aged parents in Indore. One day during a field-visit he meets a 11 years old orphan boy. He was in a miserable condition and homeless, with no one take care of him. Ram Murti brings the boy to home and proposes him that if he takes care of his aged parents, how will give him daily wage according to his needs and will arrange for his education too. Evaluate Ram Murti is conduct from ethical perspective.

(200 Words / 12 Marks)

6. राजीव एक प्रवासी श्रमिक था। एक दिन जब वह सायिकिल से रोड पर जा रहा था, तो एक कार ने उसकी सायिकिल को धक्का मार दिया। राजीव ने कार चालक को कार से बाहर खीचकर निकाला तथा उसे गालियाँ देने लगा। कार चालक ने एक छुरा निकाला तथा छुरे से उस पर तीन-चार बार वार (घोंप) कर वहां से भाग गया। तमाशबीनों ने राजीव को अस्पताल पहुँचाने में देर करने तथा अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मृत्यु हो गयी। यदि राजीव के स्थान पर आप होते, तो कार चालक की इस गैर जिम्मेदार ड्राइविंग के प्रति आप क्या करते? इस प्रकार की सड़क दुर्घटनाओं तथा दुर्घटना पीड़ितों के प्रति लोग बहुधा उदासीन या निष्क्रिय अभिवृत्ति का प्रदर्शन करते हैं। इसके कारणों की विवेचना कीजिए तथा इसके निवारण हेतु उपयों को सुझाइए।

Rajeev was a migrant labour. One day when he was going on the road by his bicycle, a car pushed his bicycle. Rajeev dragged the driver out of the car and began abusing him. The driver took out a knife and after stabbing him treee-four times he fled away from the spot. Onlookers delayed rush Rajeev to hospital and due to excessive bleeding, he died. If you were in place of Rajeev, what would you have done for driver's irresponsible and accident victims. Discuss its causes and suggest the remedies. ***(200 Words / 12 Marks)***

KHAN SIR

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) मुख्य परीक्षा – 2022

सामान्य अध्ययन (प्रश्न-पत्र IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

*निर्धारित समय : **तीन** घंटे* *Time allowed : Three Hours*	*अधिकतम अंक : **250*** *Maximum Marks : **250***

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

- इस में **बारह** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।
- **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
- प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- प्रश्नों में इंगित शब्द-सीमा को ध्यान में रखिए।
- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

- There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and **ENGLISH.**
- **All** questions are compulsory.
- The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
- Answer must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Questions-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.
- Keep the word limit indicated in the questions in mind.
- Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet Must be clearly struck off.

KGS : 5th Floor, A13A, Graphix 1 Tower B, Sector 62, Noida, Uttar Pradesh-201309
Ph. No. : 8757354880
KGS: KHAN GLOBAL STUDIES

1. (a) बुद्धिमानी में निहित है कि किसका ध्यान रखा जाए और क्या अनदेखा किया जाए। नौकरशाही में अपने सामने के मुख्य मुद्दों को अनदेखा करते हुए परिधि में लीन रहने वाले अधिकारी दुर्लभ नहीं हैं। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि प्रशासक की इस तरह की व्यस्तता प्रभावी सेवा वितरण और सुशासन की लक्ष्य-प्राप्ति की प्रक्रिया में न्याय की विडंबना है? विश्लेषणात्मक मूल्यांकन कीजिए।(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Wisdom lies in knowing what to reckon with and what to overlook. An officer being engrossed with the periphery, ignoring the core issues before him is not rare in the bureaucracy. Do you agree that such preoccupation of an administrator leads to travesty of justice to the cause of effective service delivery and good governacne? Critically evaluate.(Answer in 150 words)

(b) बौद्धिक दक्षता और नैतिक गुणों के अलावा सहानुभूति और करुणा कुछ अन्य महत्त्वपूर्ण वैशिष्ट्य हैं, जो सिविल सेवकों को निर्णायक मामलों को सुलझाने अथवा महत्त्वपूर्ण निर्णय लेने में अधिक सक्षम बनाते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ व्याख्या कीजिए।(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Apart from intellectual competency and moral qualities, empathy and compassion are some of the other vital attributes that facilitate the civil Servants to be more competent in tackling the crucial issues or taking critical decisions. Explain with suitable illustrations.(Answer in 150 words)

2. (a) सभी सिविल सेवकों को प्रदान किए गए नियम और विनियम समान हैं, फिर भी प्रदर्शन में अंतर है। सकारात्मक सोच वाले अधिकारी नियमों और विनियमों के मामले के पक्ष में व्याख्या करने और सफलता प्राप्त करने में समर्थ होते हैं, जबकि नकारात्मक सोच वाले अधिकारी मामले के खिलाफ समान नियमों और विनियमों की व्याख्या करके लक्ष्य प्राप्त करने में असमर्थ होते हैं। सोदाहरण विवेचन कीजिए।(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
The Rules and Regulations provided to all the civil servants are same, yet there is difference in the performance. Positive minded officers are able to interpret the Rules and Regulations in favour of the case and achieve success, whereas negative minded officers are unable to achieve goals by interpreting the same Rules and Regulations against the case. Discuss with illustrations.(Answer in 150 words)

(b) यह माना जाता है कि मानवीय कार्यों में नैतिकता का पालन किसी संगठन/व्यवस्था के सुचारु कामकाज को सुनिश्चित करेगा। यदि हाँ, तो नैतिकता मानव जीवन में किसे बढ़ावा देना चाहती है? दिन-प्रतिदिन के कामकाज में उसके सामने आने वाले संघर्षों के समाधान में नैतिक मूल्य किस प्रकार सहायता करते हैं?(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
It is belived that adherence to ethics in human actions would ensure in smooth functioning of an organisation/system. If so, what does ethics seek to promote in human life? How do ethical values assist in the resolution of conflicts faced by him in his day-to-day functioning? (Answer in 150 words)

3. निम्नलिखित में से उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What does each of the following quotations mean to you?

(a) "आपको क्या करने का अधिकार है और आपको क्या करना उचित है के बीच के अंतर को जानना नैतिकता है।" - पॉटर स्टीवर्ट
"Ethics is knowing the difference between what you have the right to do and what is right to do." — Potter Stewart

(b) "अगर किसी देश को भ्रष्टाचारमुक्त होना है और खूबसूरत दिमागों का देश बनना है, तो मैं दृढ़ता से मानता हूँ कि तीन प्रमुख सामाजिक सदस्य हैं, जो बदलाव ला सकते हैं। वे है पिता, माता और शिक्षक।" -ए.पी.जे. अब्दुल कलाम(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"If a country is to be corruption free and become a nation of beautiful minds, I strongly feel that there are three key societal members who can make a difference. They are father, mother and teacher. — A.P.J. Abdul Kalam(Answer in 150 words)

(c) "आपकी सफलता का आकलन इस बात से हो कि इसे पाने के लिए आपको क्या छोड़ना पड़ा।" - दलाई लामा(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"Judge your success by what you had to give up in order to get it." — Dalai Lama(Answer in 150 words)

4. (a) 'सुशासन' से आप क्या समझते हैं? राज्य द्वारा ई-शासन के मामले में उठाई गई हालिया पहलों ने लाभार्थियों को कहाँ तक सहायता पहुँचाई है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचन कीजिए। *(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)*
What do you understand by the term 'good governance'. How far recent initiatives in terms of e-Governance steps taken by the State have helped the beneficiaries? Discuss with suitable examples. *(Answer in 150 words)*

(b) ऑनलाइन पद्धति का उपयोग दिन-प्रतिदिन प्रशासन की बैठकों, सांस्थानिक अनुमोदन और शिक्षा क्षेत्र में शिक्षण तथा अधिगम से लेकर स्वास्थ्य क्षेत्र में सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से टेलीमेडिसिन तक लोकप्रिय हो रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि लाभार्थियों और व्यवस्था दोनों के लिए बड़े पैमाने पर इसके लाभ और हानियाँ हैं। विशेषत: समाज के कमजोर समुदाय के लिए ऑनलाइन पद्धति के उपयोग में शामिल नैतिक मामलों का वर्णन तथा विवेचन कीजिए। *(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)*
Online methodology is being used for day-to-day meetings, institutional approvals in the administration and for teaching and learning in education sector to the extent telemedicine in the health sector is getting popular with the approvals of the competent authority. No doubt, it has advantages and disadvantages for both the beneficiaries and the system at large. Describe and discuss the ethical issues involved in the use of online method particularly to the vulnerable section of the society.(Answer in 150 words)

5. (a) पिछले सात महीनों से रूस और युक्रेन के बीच युद्ध जारी है। विभिन्न देशों ने अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए स्वतंत्र स्टैंड लिया है और कार्यवाही की है। हम सभी जानते हैं कि मानव त्रासदी समेत समाज के विभिन्न पहलुओं पर युद्ध का अपना असर रहता है। वे कौन-से नैतिक मद्दे हैं, जिन पर युद्ध शुरू करते समय और अब तक इसकी निरंतरता पर विचार करना महत्त्वपूर्ण है? इस मामले में दी गई स्थिति में शामिल नैतिक मुद्दों का औचित्यपूर्ण वर्णन कीजिए।*(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)*
Russia and Ukraine war has been going on for the last seven months. Different countries have taken independent stands and actions keeping in view their own national interests. We are all aware that war has its own impact on the different aspects of society, including human tragedy. What are those ethical issues that are crucial to be considered while launching the war and its continuation so far? Illustrate with justification the ethical issues involved in the given state of affair. *(Answer in 150 words)*

(b) निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:
Write short notes on the following in 30 words each :

(i) सांविधानिक नैतिकता
Constitutional moraliry

(ii) हितों का संघर्ष
Conflict of interest

(iii) डिजिटिकरण की चुनौतियाँ
Challenges of digitalization

(iv) कर्तव्यनिष्ठा
Devotion of duty

6. (a) भ्रष्टाचार-सूचक (ह्विसल-ब्लोअर) संबंधित अधिकारियों को भ्रष्टाचार और अवैध गतिविधियों, गलत काम और दुराचार की रिपोर्ट करता है। वह निहित स्वार्थों, आरोपी व्यक्तियों तथा उनकी टीम द्वारा गंभीर खतरे, शारीरिक नुकसान और उत्पीड़न के चपेट में आने का जोखिम उठाता है। आप भ्रष्टाचार-सूचक (ह्विसल-ब्लोअर) की सुरक्षा के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था हेतु किन नीतिगत उपायों का सुझाव देंगे?(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Whistle-blower, who reports corruption and illegal activities, wrongdoing and miscounduct to the concerned authorities, run the risk of being exposed to grave danger, physical harm and victimization by the vested interests, accused persons and his term. What policy measures would you suggest to strengthen protection mechhanism to safeguard the whistle-blower?(Answer in 150 words)

(b) समकालीन दुनिया में धन और रोजगार उत्पन्न करने में कॉर्पोरेट क्षेत्र का योगदान बढ़ रहा है। ऐसा करने में वे जलवायु, पर्यावरणीय संधारणीयता और मानव की जीवन-स्थितियों पर अप्रत्याशित हमले कर रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में, क्या आप पाते

हैं कि कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सी.एस.आर.) कॉर्पोरेट जगत् में आवश्यक सामाजिक भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को पूरा करने में सक्षम और पर्याप्त है जिसके लिए सी.एस.आर. अनिवार्य है? विश्लेषणात्मक परीक्षण कीजिए। *(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)*

In contemporary world, corporate sector's contribution in generating wealth and employment is increasing. In doing so, they are bringing in unprecedented onslaught on the climate, environmental sustainability and living conditions of human being. In this background, do you find that Corporate Social Responsibility (CSR) is efficient and sufficient enough to fulfil the social roles and responsibilities needed in the corporate world for which the CSR is mandated? Critically examine. *(Answer in 150 words)*

खण्ड 'ब' / SECTION 'B'

7. प्रभात एक प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनी स्टर्लिंग इलेक्ट्रिक लिमिटेड में उपाध्यक्ष (विपणन) के रूप में कार्यरत था। लेकिन फिलहाल कंपनी मुश्किल दौर से गुजर रही थी क्योंकि पिछली दो तिमाहियों से बिक्री में लगातार गिरावट का रुख दिखाई पड़ रहा था। उसका डिवीजन, जो अब तक कंपनी के वित्तीय स्वास्थ्य में एक प्रमुख राजस्व अंशदाता था, अब उनके लिए कुछ बड़े सरकारी ऑर्डर प्राप्त करने के लिए भरसक प्रयास कर रहा था। लेकिन उनके सर्वोत्तम प्रयासों को कोई सकारात्मक सफलता नहीं मिली।

उसकी कंपनी पेशेवर थी और उसके स्थानीय मालिकों पर उनके लंदन स्थित मुख्यालय की ओर से कुछ सकारात्मक परिणाम प्रदर्शित करने का दबाव था। कार्यकारी निदेशक (भारतीय प्रमुख) द्वारा की गई पिछली कार्य-समीक्षा बैठक में उसे उसके खराब प्रदर्शन के लिए फटकार लगाई गई थी। उसने उन्हें आश्वासन दिया कि उसका डिवीजन ग्वालियर के पास एक गुप्त संस्थापन के लिए रक्षा मंत्रालय से एक विशेष अनुबंध पर काम कर रहा है और जल्द ही निविदा जमा की जा रही है।

वह अत्यधिक दबाव में था और बहुत परेशान था। जिस बात ने हालात को और बदतर बना दिया, वह थी, ऊपर से एक चेतावनी कि यदि कंपनी के पक्ष में सौदा नहीं हुआ तो उसका डिवीजन बंद करना पड़ सकता है और उसे अपनी लाभप्रद नौकरी छोड़नी पड़ सकती है।

एक और आयाम था जो उसे गहरी मानसिक यातना और पीड़ा पहुँचा रहा था। यह उसके व्यक्तिगत अनिश्चित वित्तीय स्वास्थ्य से संबंधित था। वह दो स्कूल-कॉलेज जानेवाले बच्चों और अपनी बीमार बूढ़ी माँ वाले परिवार में अकेला कमाने वाला था। शिक्षा व चिकित्सा पर भारी खर्च के कारण उसके मासिक वेतन वाले पैकेट पर भारी दबाव पड़ रहा था। बैंक से लिए गए गृह ऋण के लिए नियमित ई.एम.आइ. अपरिहार्य थी और चूक करने पर उसे गंभीर कानूनी कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होना होगा।

उपर्युक्त पृष्ठभूमि में वह किसी चमत्कार के घटित होने की उम्मीद कर रहा था। अचानक घटनाक्रम में बदलाव आ गया। उसके सचिव ने बताया कि एक सज्जन, सुभाष वर्मा उनसे मिलना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें कंपनी में प्रबंधक के पद में दिलचस्पी है जिसे कंपनी को भरना है। पुनः उसने उनके संज्ञान में लाया कि उसका आत्मवृत्त रक्षामंत्री के कार्यालय के माध्यम से प्राप्त हुआ है।

उसने उम्मीदवार, सुभाष वर्मा के साक्षात्कार के दौरान उसे तकनीकी रूप से मजबूत, साधन-संपन्न और अनुभवी विक्रेता महसूस किया। ऐसा प्रतीत होता था कि वह निविदा प्रक्रिया से भली-भाँति परिचित है और इस संबंध में अनुवर्ती कार्रवाई व अंतर्सम्बंधन में निपुण है। प्रभात को लगा कि उसकी उम्मीदवारी अन्य उम्मीदवारों की तुलना में बेहतर है, जिनका साक्षात्कार हाल में, पिछले कुछ दिनों में उसने लिया था।

सुभाष वर्मा ने यह भी संकेत किया कि उसके पास बोली दस्तावेजों की प्रतियाँ हैं जिन्हें यूनीक इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड अगले दिन रक्षा मंत्रालय को उसकी निविदा के लिए प्रस्तुत करेगा। उसने उन दस्तावेजों को सौंपने की पेशकश की बशर्ते उसे कंपनी में उपयुक्त नियमों और शर्तों पर रोजगार दिया जाए। उसने स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया में स्टर्लिंग इलेक्ट्रिक लिमिटेड अपनी प्रतिद्वंद्वी कंपनी को पछाड़ सकती है और बोली प्राप्त कर सकती है तथा रक्षा मंत्रालय का भारी-भरकम ऑर्डर प्राप्त कर सकती है। उसने संकेत दिया कि यह उसकी तथा कंपनी दोनों के लिए जीत ही जीत होगी।

प्रभात बिलकुल स्तब्ध था। यह सदमा और रोमांच की मिली-जुली अनुभूति थी। वह असहज होकर पसीना-पसीना हो गया। यदि प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाता है, तो उसकी सभी समस्याएँ तुरंत गायब हो जाएँगी और उसे बहुप्रतीक्षित निविदा हासिल करने

और कंपनी की बिक्री और वित्तीय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पुरस्कृत किया जा सकता है। वह भविष्य की कार्रवाई को लेकर असमंजस में था। वह अपनी खुद की कंपनी के कागजात को चोरी-छिपे हटाने और नौकरी के लिए प्रतिद्वंद्वी कंपनी को पेशकश करने में सुभाष वर्मा की हिम्मत पर आश्चर्यचकित था। एक अनुभवी व्यक्ति होने के नाते, वह इस प्रस्ताव/स्थिति के पक्ष-विपक्ष की जाँच कर रहा था और उसने उसे अगले दिन आने के लिए कहा।

Prabhat was working as Vice President (Marketing) at Sterling Electric Ltd., a reputed multinational company. But presently the company was passing through the difficult times as the sales were continuously showing downward trend in the last two quarters. His division, which hitherto had been a major revenue contributor to the company's financial health, was now desperately trying to procure some big government order for them. But their best efforts did not yield any positive success or breakthrough.

His was a professional company and his local bosses were under pressure from their London-based HO to show some positive results. In the last performance review meeting taken by the Executive Director (India Head), he was reprimanded for his poor performance. He assured them that his division is working on a special contract from the Ministry of Defence for a secret installation near Gwalior and tender is being submitted shortly.

He was under extreme pressure and he was deeply perturbed. What aggravated the situation further was a warning from the top that if the deal is not clinched in favour of the company, his division might have to be closed and he may have to quit his lucrative job.

There was another dimension which was causing him deep mental torture and agony. This pertained to his personal precarious financial health. He was a single earner in the family with two school-college going children and his old ailing mother. The heavy expenditure on education and medical was causing a big strain to his monthly pay packet. Regular EMI for housing loan taken from bank unavoidable and any default would render him liable for severe legal action.

In the above backdrop, he was hoping for some miracle to happen. There was sudden turn of events. His Secretary informed that a gentleman Subhas Verma wanted to see him as he was interested in the position of Manager which was to be filled by him in the company. He further brought to his notice that his CV has been received through the office of the Minister of Defence.

During interview of the candidate-Subhash Verma, he found him technically sound, resourceful and experienced marketeer. He seemed to be well-conversant with tendering procedures and having knack of follow-up and liaising in this regard Prabhat felt that he was better choice than the rest of the candidates who were recently interviewed by him in the last few days.

Subhash Verma also indicated that he was in possession of the copies of the bid documents that the Unique Electronics Ltd. would be submitting the next day to the Defence Ministry for their tender. He offered to hand over those documents subject to his employment in the company on suitable terms and conditions. He made it clear that in the process, the Sterling Electric Ltd. could outbid their rival company and get the bid and hefty Defence Ministry order. He indicated that it will be win-win situation for both-him and the company.

Prabhat was absolutely stunned. It was a mixed feeling of shock and thrill. He was uncomfortable and perspiring. If accepted, all his problems would vanish instantly and he may be rewarded for securing the much awaited tender and thereby boosting company's sales and financial health. He was in a fix as to the future course of action. He was wonder-struck at the guts of Subhash Verma in having surreptitiously removing his own company papers and offering to the rival company for a job. Being an experienced person, he was examining the pros and cons of the proposal/situation and he asked him to come the next day.

(a) इस मामले से संबंधित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
Discuss the ethical issues involved in the case.

(b) उपर्युक्त मामले में प्रभात के लिए उपलब्ध विकल्पों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
Critically examine the options available to Prabhat in the above situation.

(c) उपर्युक्त में से कौन-सा विकल्प प्रभात के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होगा और क्यों?
Which of the above would be the most appropriate for Prabhat and why? (Answer in 250 words)

8. रमेश राज्य सिविल सेवा में अधिकारी हैं, जिन्हें 20 साल की सेवा के बाद सीमावर्ती राज्य की राजधानी में तैनात होने का अवसर मिला है। रमेश की माँ को हाल ही में कैंसर का पता चला है और उन्हें शहर के प्रमुख कैंसर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके किशोरवय: दो बच्चों को भी शहर के सबसे अच्छे पब्लिक स्कूलों में से एक में प्रवेश मिला है। राज्य के गृह विभाग में निदेशक के रूप में अपनी नियुक्ति में व्यवस्थित हो जाने के बाद, रमेश को खुफिया सूत्रों के माध्यम से गोपनीय रिपोर्ट मिली कि अवैध प्रवासी पड़ोसी देश से राज्य में घुसपैठ कर रहे हैं। उन्होंने तय किया कि वे व्यक्तिगत रूप में अपने गृह विभाग

की टीम के साथ सीमावर्ती चौकियों की आकस्मिक जाँच करेंगे। उनके लिए आश्चर्य था कि उन्होंने सीमा चौकियों पर सुरक्षा कर्मियों की मिलीभगत से घुसपैठ करने वाले दो परिवारों के 12 सदस्यों को रंगे हाथों पकड़ा। आगे की पूछताछ और जांच में यह पाया गया कि पड़ोसी देश के प्रवासियों की घुसपैठ के बाद, उनके आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर कार्ड जैसे जाली दस्तावेज बनाकर उन्हें राज्य के एक विशेष क्षेत्र में बसाया जाता है। रमेश ने विस्तृत और व्यापक रिपोर्ट तैयार कर राज्य के अतिरिक्त सचिव को सौंप दी। हालाँकि, एक सप्ताह के बाद अतिरिक्त गृह सचिव ने उन्हें तलब किया और रिपोर्ट वापस लेने का निर्देश दिया। अतिरिक्त गृह सचिव ने रमेश को बताया कि उच्च अधिकारियों ने उनकी सौंपी गई रिपोर्ट की सराहना नहीं की है। उन्होंने पुनः उन्हें सावधान किया कि यदि वह गोपनीय रिपोर्ट वापस नहीं लेते हैं, तो उन्हें न केवल राज्य की राजधानी की प्रतिष्ठित नियुक्ति से बाहर तैनात कर दिया जाएगा, बल्कि उनकी निकट भविष्य में होनेवाली अगली पदोन्नति खतरे में पड़ जाएगी।

Ramesh is State Civil Services Officer who got the opportunity of getting posted to the capital of a border State after rendering 20 years of service. Ramesh's mother has recently been detected cancer and has been admitted in the leading cancer hospital of the city. His two adolescent children have also got admission in one of the best public schools of the town. After settling down in his appointment as Director in the Home Department of the State, Ramesh got confidential report through intelligence sources that illegal migrants are infiltrating in the State from the neighbouring country. He decided to personally carry out surprise check of the border posts along with his Home Department team. To his surprise, he caught red-handed two families of 12 members infiltrated with the connivance of the security personnel at the border posts. On further inquiry and investigation, it was found that after the migrants from neighbouring country infiltrate, their documentation like Aadhaar Card, Ration Card and Voter Card are also forged and they are made to settle down in a particular area of the State. Ramesh prepared the detailed and comprehensive report and submitted to the Additional Secretary of the State. However, he has summoned by the Additional Home Secretary after a week and was instructed to withdraw the report. The Additional Home Secretary informed Ramesh that the report submitted by him has not been appreciated by the higher authorities. He further cautioned him that if he fails to withdraw the confidential ort, he will not only be posted out from the prestigious appointment from the State capital but his further promotion which is due in near future will also get in jeopardy.

(a) सीमावर्ती राज्य के गृह विभाग के निदेशक के रूप में रमेश के पास कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं?
What are the options available to Ramesh as the Director of the Home Department of the bordering State?

(b) रमेश को कौन-सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों?
What option should Ramesh adopt and why?

(c) प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
Critically evaluate each of the options.

(d) रमेश के सामने कौन-सी नैतिक दुविधाएँ हैं?
What are the ethical dilemmas being faced by Ramesh?

(e) पड़ोसी देश से अवैध प्रवासियों की घुसपैठ के खतरे से निपटने के लिए आप किन नीतिगत उपायों का सुझाव देंगे?(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
What policy measures would you suggest to combat the menace of infiltration of illegal migrants from the neighbouring country?(Answer in 250 words)

9. उच्चतम न्यायालय ने वन आवरण के क्षरण को रोकने और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए अरावली पहाड़ियों में खनन पर प्रतिबंध लगा दिया है। हालाँकि, कुछ भ्रष्ट वन अधिकारियों और राजनेताओं की मिलीभगत से प्रभावित राज्य के सीमावर्ती जिले में पत्थर-खनन फिर भी प्रचलित था। हाल ही में प्रभावित जिले में तैनात युवा और सक्रिय एस.पी. ने इस खतरे को रोकने के लिए खुद से वादा किया था। अपनी टीम के साथ अचानक जाँच में, उन्होंने खनन क्षेत्र से बचने की कोशिश कर रहा पत्थर से भरा ट्रक पाया। उसने इस ट्रक को रोकने की कोशिश की लेकिन ट्रक चालक ने पुलिस अधिकारी को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई और वह इसके बाद वहां से भागने में सफल रहा। पुलिस ने प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफ. आइ.आर.) दर्ज की लेकिन करीब तीन महीने तक मामले में कोई सफलता हासिल नहीं हुई। अशोक, जो प्रमुख टी.वी. चैनल के साथ काम कर रहे खोजी पत्रकार थे, ने स्वतः संज्ञान से मामले की जाँच शुरू की। एक महीने में ही अशोक को स्थानीय लोगों, पत्थर-खनन माफिया और सरकारी अधिकारियों से बातचीत कर सफलता मिली। उन्होंने अपनी खोजी रिपोर्ट तैयार की

और टी.वी. चैनल के सी.एम.डी. के सामने पेश की। उन्होंने अपनी जांच रिपोर्ट में भ्रष्ट पुलिस और सिविल अधिकारियों तथा राजनेताओं के आशीर्वाद से काम करने वाले पत्थर माफिया की पूरी गठजोड़ का खुलासा किया। माफिया में शामिल राजनेता कोई और नहीं बल्कि स्थानीय विधायक थे जो मुख्यमंत्री के बेहद करीबी माने जाते हैं। जाँच रिपोर्ट देखने के बाद सी.एम.डी. ने अशोक को सलाह दी कि वह इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से रिपोर्ट को सार्वजनिक करने का विचार छोड़ दे। उन्होंने सूचित किया कि स्थानीय विधायक न केवल टी.वी. चैनल के मालिक के रिश्तेदार थे बल्कि अनौपचारिक रूप से चैनल के साथ 20 प्रतिशत के हिस्सेदार भी हैं। सी.एम.डी. ने अशोक को आगे बताया कि अगर वह जाँच रिपोर्ट उन्हें सौंप दे, तो उनके बेटे की पुरानी बीमारी के लिए टी.वी. चैनल से उधार लिए गए 10 लाख रुपये के सॉफ्ट लोन के अलावा उनकी आगे की पदोन्नति और वेतन में बढ़ोतरी का ध्यान रखा जाएगा।

The Supreme Court has banned mining in the Aravalli Hills to stop degradation the forest cover and to maintain ecological balance. However, the stone mining to still prevalent in the border district of the affected State with connivance of certain corrupt forest officials and politicians. Young and dynamic SP who was recently posted in the affected district promised to himself to stop this menace. In one of his surprise checks with his team, he found loaded truck with stone trying to escape the mining area. He tried to stop the truck but the truck driver overrun the police officer, killing him on the spot and thereafter managed to flee. Police filed FIR but no breakthrough was achieved in the case for almost three months. Ashok who was the Investigative Journalist working with leading TV channel, suo moto started investigating the case. Within one month, Ashok got breakthrough by interacting with local people, stone mining masia and government officials. He prepared his investigative story and presented to the CMD of the TV channel. He exposed in his investigative report the complete nexus of stone mafia working with blessing of corrupt police and civil officials and politicians. The politician who was involved in the mafia was no one else but local MLA who was considered to be very close to the Chief Minister. After going through the investigative report, the CMD advised Ashok to drop the idea of making the story public through electronic media. He informed that the local MLA was not only the relative of the owner of the TV channel but also had unofficially 20 percent share in the channel. The CMD further informed Ashok that his further promotion and hike in pay will be taken care of in addition the soft loan of 10 lakhs which he has taken from the TV channel for his son's chronic disease will be suitably adjusted if he hands over the investigative report to him.

(a) इस स्थिति से निपटने के लिए अशोक के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

What are the options available with Ashok to cope up with the situation?

(b) अशोक द्वारा चिह्नित किए गए प्रत्येक विकल्प का समालोचनात्मक मूल्यांकन/परीक्षण कीजिए।

Critically evaluate/examine each of the options identified by Ashok

(c) अशोक को किन नैतिक दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?

What are the ethical dilemmas being faced by Ashok?

(d) आपको क्या लगता है कि अशोक के लिए किस विकल्प को अपनाना सबसे उपयुक्त होगा और क्यों?

Which of the options, do you think, would be the most appropriate for Ashok to adopt and why?

(e) उपर्युक्त परिदृश्य में, आप ऐसे जिलों में तैनात पुलिस अधिकारियों के लिए किस प्रकार के प्रशिक्षण का सुझाव देंगे जहाँ पत्थर-खनन की अवैध गतिविधियाँ प्रचलित हैं?(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

In the above scenario, what type of training would you suggest for police officers posted to such districts where stone mining illegal activities are rampant?(Answer in 250 words)

10. आपने तीन साल पहले एक प्रतिष्ठित संस्थान से एम.बी.ए. किया है लेकिन कोविड-19 से उत्पन्न मंदी के कारण कैंपस प्लेसमेंट नहीं मिल सका। मगर, बहुत अनुनय तथा लिखित और साक्षात्कार सहित बहुत सारी प्रतियोगी परीक्षाओं की शृंखला के बाद, आप एक अग्रणी जूता कंपनी में नौकरी पाने में सफल रहे। आपके वृद्ध माता-पिता हैं, जो आश्रित हैं और आपके साथ रह रहे हैं। आपने भी हाल ही में यह शालीन नौकरी पाकर शादी की है। आपको निरीक्षण अनुभाग में नियुक्त किया गया था, जो अंतिम उत्पाद को मंजूरी देने के लिए जवाबदेह है। पहले एक वर्ष में, आपने अपना काम अच्छी तरह से सीखा और प्रबंधन द्वारा आपके प्रदर्शन की सराहना की गई। कंपनी पिछले पांच साल से घरेलू बाजार में अच्छा कारोबार कर रही है और इस साल यूरोप और खाड़ी देशों को निर्यात करने का भी फैसला किया गया है। हालाँकि, यूरोप के लिए एक बड़ी खेप को उनके

निरीक्षण दल द्वारा कुछ खराब गुणवत्ता के कारण अस्वीकार कर दिया गया और वापस भेज दिया गया था। शीर्ष प्रबंधन ने आदेश दिया कि घरेलू बाजार के लिए पूर्वोक्त खेप की मंजूरी दी जाए। निरीक्षण दल के एक अंग के रूप में आपने स्पष्ट खराब गुणवत्ता को देखा और टीम कमांडर के संज्ञान में लाया। हालांकि, शीर्ष प्रबंधन ने टीम के सभी सदस्यों को इन कमियों को नजर-अंदाज करने की सलाह दी क्योंकि इतना बड़ा नुकसान प्रबंधन नहीं सह सकता। आपके अलावा टीम के बाकी सदस्यों ने स्पष्ट दोषों को नजर-अंदाज करते हुए तुरंत हस्ताक्षर कर दिए और घरेलू बाजार के लिए खेप को मंजूरी दे दी। आपने फिर से टीम कमांडर के संज्ञान में लाया कि इस तरह की खेप की अगर घरेलू बाजार के लिए भी मंजूरी दे दी जाती है, तो कंपनी की छवि और प्रतिष्ठा को धक्का लगेगा तथा लंबे समय में प्रतिकूल असर होगा। हालांकि, आपके शीर्ष प्रबंधन द्वारा आगे सलाह दी गई थी कि यदि आप खेप को मंजूरी नहीं देते हैं, तो कंपनी कुछ अहानिकर कारणों का हवाला देते हुए आपकी सेवा को समाप्त करने में संकोच नहीं करेगी।

You have done MBA from a reputed institution three years back but could not get campus placement due to COVID-19 generated recession. However, after a lot of persuasion and series of competitive tests including written and interview, you managed to get a job in a leading shoe company. You have ageur parents who are dependent and staying with you. You also recently got married after getting this decent job. You were allotted the Inspection Section which is responsible for clearing the final product. In first one year, you learnt your job well and was appreciated for your performance by the management. The company is doing good business for last five years in domestic market and this year it is decided even to export to Europe and Gulf countries. However, one large consignment to Europe was rejected by their Inspecting Team due to certain poor quality and was sent back. The top management ordered that ibid consignment to be cleared for the domestic market. As a part of Inspecting Team, you observed the glaring poor quality and brought to the knowledge of the Team Commander. However, the top management advised all the members of the team to overlook these defects as the management cannot bear such a huge loss. Rest of the team members except you promptly signed and cleared the consignment for domestic market, overlooking glaring defects. You again brought to the knowledge of the Team Commander that such consignment, if cleared even for domestic market, will tarnish the image and reputation of the company and will be counter-productive in the long run. However, you were further advised by the top management that if you do not clear the consignment, the company will not hesitate to terminate your services citing certain innocuous reasons.

(a) दी गई शर्तों के तहत, निरीक्षण दल के सदस्य के रूप में आपके लिए कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं?

Under the given conditions, what are the options available to you as a member of the Inspecting Team?

(b) आपके द्वारा सूचीबद्ध प्रत्येक विकल्प का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

Critically evaluate each of the options listed by you.

(c) आप कौन-सा विकल्प अपनाएँगे और क्यों?

hat option would you adopt and why?

(d) आप किन नैतिक दुविधाओं का सामना कर रहे हैं?

What are the ethical dilemmas being faced by you?

(e) निरीक्षण दल द्वारा उठाई गई टिप्पणियों की अनदेखी के क्या परिणाम हो सकते हैं?(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

What can be the consequences of overlooking the observations raised by the Inspecting Team?

(Answer in 250 words)

11. राकेश एक शहर के परिवहन विभाग में संयुक्त आयुक्त के पद पर कार्यरत थे। उनकी नौकरी प्रोफाइल के एक हिस्से के रूप में उन्हें नगर परिवहन विभाग के नियंत्रण और कामकाज की देखरेख का काम सौंपा गया था। नगर परिवहन विभाग के चालक संघ द्वारा, बस चलाते समय ड्यूटी पर मारे गए एक चालक को मुआवजे के मुद्दे पर हड़ताल का मामला उनके सामने निर्णय के लिए आया था।

उसने देखा कि मृत चालक बस संख्या 528 चला रहा था, जो शहर की व्यस्त और भीड़-भाड़ वाली सड़कों पर गुजरती थी। हुआ यूँ कि रास्ते में एक चौराहे के पास एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति द्वारा चलाई जा रही कार और बस की टक्कर में एक हादसा हो गया। पता चला कि बस और कार चालक के बीच कहा-सुनी हुई थी। दोनों के बीच तीखी नोंकझोंक हुई और चालक ने उसे धक्का मार दिया। बहुत-से राहगीर इकट्ठे हो गए और उन्होंने हस्तक्षेप करने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। आखिरकार वे दोनों बुरी तरह घायल हो गए और बहुत खून बह रहा था तथा उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया। हादसे में चालक ने दम तोड़ दिया और उसे बचाया नहीं जा सका। अधेड़ उम्र के चालक की भी हालत नाजुक थी लेकिन एक दिन के बाद वह सँभल गया और उसे छुट्टी दे दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँच गई और प्रथम सूचना रिपोर्ट

दर्ज कर ली गई। पुलिस जाँच में सामने आया कि विवाद की शुरुआत बस चालक ने की थी और उसने शारीरिक हिंसा की थी। उनके बीच मारपीट हुई थी। नगर परिवहन विभाग प्रबंधन मृत चालक के परिवार को कोई अतिरिक्त मुआवजा नहीं देने पर विचार कर रहा है। नगर परिवहन विभाग प्रबंधन के भेदभाव और गैर-सहानुभूतिपूर्ण रवैये से परिवार बहुत व्यथित, उदास और आंदोलित है। मृत बस चालक की उम्र 52 वर्ष थी, उसके परिवार में पत्नी और स्कूल-कालेज जाने वाली दो बेटियाँ हैं। वह परिवार का इकलौता कमाने वाला था। नगर परिवहन विभाग वर्कर्स यूनियन ने इस मामले को उठाया और जब प्रबंधन से कोई अनुकूल प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो उसने हड़ताल पर जाने का फैसला किया। यूनियन की माँग दोहरी थी। पहली, ड्यूटी के दौरान मरने वाले अन्य चालकों को दिया जाने वाला पूरा अतिरिक्त मुआवजा और दूसरी, परिवार के एक सदस्य को रोजगार दिया जाए। 10 दिनों से हड़ताल जारी है और गतिरोध बना हुआ है।

Rakesh was working as a Joint Commissioner in Transport department of a city. As a part of his job profile, among others, he was entrusted with the task of overseeing the control and functioning of City Transport Department. A case strike by drivers' union of City Transport Department over the issue of compensation to a driver who died on duty while driving the bus came up before him for decision in the matter.

He gathered that the driver (deceased) was plying Bus No. 528 which passed through busy and congested roads of the city. It so happened that near an intersection on the way, there was an accident involving the a middle-aged man. It was found that there was altercation between the driver and the car driver. Heated arguments between them led to fight and the driver gave him a a blow. Lot of passerbys had gathered and tried to intervene but without success. Eventually, both of them were badly injured and profusely bleeding and were taken to the nearby hospital. The driver succumbed to the injuries and could not be saved. The middle-aged driver's condition was also critical but after a day, he recovered and was discharged. Police had immediately come to the spot and FIR was registered. Police investigation revealed that the quarrel in was started by the bus driver and he had resorted to physical violence. There exchange of blows between them.

The City Transport Department management is considering of not giving any extra compensation to the driver's (deceased) family. The family is very aggrieved. depressed and agitated against the discriminatory and non-sympathetic approach of the City Transport Department management. The bus driver (deceased) was 52 years of age, was survived by his wife and two school-college going daughters. He was the sole earner of the family. The City Transport Department workers' union took up this case and when found no favourable response from the management, decided to go on strike. The union's demand was two fold. First was full extra compensation as given to other drivers who died on duty and secondly employment to one family member. The strike has continued for 10 days and the deadlock remains.

(a) उपर्युक्त स्थिति से निपटने के लिए राकेश के पास कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं?

What are the options available to Rakesh to meet the above situation?

(b) राकेश द्वारा चिह्नित किए गए प्रत्येक विकल्प का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Critically examine each of the options identified by Rakesh

(c) वे कौन-सी नैतिक दुविधाएँ हैं, जिनका राकेश को सामना करना पड़ रहा है?

What are the ethical dilemmas being faced by Rakesh?

(d) उपर्युक्त स्थिति को दूर करने के लिए राकेश क्या कार्यवाही करेंगे? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

What course of action would Rakesh adopt to diffuse the above situation?(Answer in 250 words)

12. आपको पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अनुभाग का शीर्ष अधिकारी नियुक्त किया जाता है ताकि अनुपालन सुनिश्चित हो और इसकी अनुवर्ती का पालन हो सके। उस क्षेत्र में बड़ी संख्या में लघु और मध्य उद्योग थे जिन्हें अनापत्ति दी जा चुकी थी। आपको पता चला कि ये उद्योग अनेक प्रवासी कामगारों को रोजगार मुहैया कराते हैं। अधिकांश औद्योगिक इकाइयों के पास पर्यावरणीय अनापत्ति प्रमाण-पत्र हैं। पर्यावरणीय अनापत्ति उन उद्योगों और परियोजनाओं पर अंकुश लगाने के लिए है जो इस क्षेत्र में पर्यावरण और जीवित प्रजातियों को कथित रूप से बाधित करती हैं। लेकिन व्यवहार में इनमें से अधिकांश इकाइयाँ वायु, जल और मृदा प्रदूषित इकाइयां बनी हुई हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों को लगातार स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

यह पुष्टि की गई कि अधिकांश उद्योग पर्यावरणीय अनुपालन का उल्लंघन कर रहे थे। आपने नया पर्यावरणीय मंजूरी प्रमाण-पत्र आवेदन करने और सक्षम अधिकारी से प्राप्त करने के लिए सभी औद्योगिक इकाइयों के लिए नोटिस जारी कर दी। हालाँकि, औद्योगिक इकाइयों के एक वर्ग, अन्य न्यस्तस्वार्थी लोगों और स्थानीय राजनेताओं के एक समूह से आपकी कार्यवाही को विरोध प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा। आपके प्रति कामगार भी अत्यंत शत्रुतापूर्ण व्यवहार करने लगे क्योंकि उन्होंने सोचा कि आपकी कार्यवाही इन औद्योगिक इकाइयों को तालाबंदी की ओर ले जाएगी और इसके परिणामस्वरूप बेरोजगारी के कारण उनकी

आजीविका असुरक्षित और अनिश्चित हो जाएगी। कई उद्योग-मालिकों ने इस दलील के साथ आपके पास पहुंचकर प्रस्तावित किया कि आपको सख्त कार्यवाही शुरू नहीं करनी चाहिए क्योंकि यह उन्हें अपनी इकाइयाँ बंद करने के लिए मजबूर करेगी और भारी वित्तीय हानि तथा बाजार में उनके उत्पादों की कमी का कारण होगा। जाहिर है कि इससे मजदूरों और उपभोक्ताओं की परेशानी ज्यादा होगी। श्रमिक संघ ने भी आपको इकाइयों को बंद करने के खिलाफ प्रतिनिधित्व भेजा। आपको एक साथ अज्ञात कोणों से धमकियाँ मिलने लगी। हालांकि, आपको अपने कुछ सहकर्मियों का समर्थन मिला जिन्होंने आपको सलाह दी कि आप पर्यावरणीय अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए स्वतंत्र रूप से काम करें। स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों ने भी आपका समर्थन किया और उन्होंने प्रदूषणकारी इकाइयों को तत्काल बंद करने की माँग पेश की।

You are appointed as an officer heading the section in Environment Pollution Control Board to ensure compliance and its follow-up. In that region, there were large number of small and medium industries which had been granted clearance. You learnt that these industries provide employment to many migrant worker. Most of the industrial units have got environmental clearance certificate in their possession. The environmental clearance seeks to curb industries and projects that supposedly hamper environment and living species in the region, But in practice. most of these units remain to be polluting units in several ways like air, water and soil pollution. As such, local people encountered persistent health problems.

It was confirmed that majority of the industries were violating environmental compliance. You issued notice to all the industrial units to apply for fresh environmental clearance certificate from the competent authority. However, your action met with hostile response from a section of the industrial units, other vested interest persons and a section of the local politicians. The workers also became hostile to you as they felt that your action would lead to the closure of these industrial units, and the resultant unemployment will lead to insecurity uncertainty in their livelihood. Many owners of the industries approached you with the plea that you should not initiate harsh action as it would compel them their units, and cause huge financial loss, shortage of their products in the market. These would obviously add to the sufferings of the labourers and the consumers alike. The labour union also sent you representation requesting against the closure of the units. You simultaneously started receiving threats from unknown corners. You however received supports from some of your colleagues, who advised you to act freely to ensure environmental compliance. Local NGOs also came to your support and they demanded the closure of the polluting units immediately.

(a) प्रदत्त स्थिति में आपके पास कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं?

What are the options available to you under the given situation?

(b) आपके द्वारा सूचीबद्ध किए गए विकल्पों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Critically examine the options listed by you.

(c) पर्यावरणीय अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आप किस प्रकार की क्रियाविधि का सुझाव देंगे?

What type of mechanism would you suggest to ensure environmental compliance?

(d) अपने विकल्पों का उपयोग करने में आपको किन नैतिक दुविधाओं का सामना करना पड़ा? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

What are the ethical dilemmas you faced in exercising your option? (Answer in 250 words)

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPCS) मुख्य परीक्षा – 2022

Held on : 29-09-2022

PSL-56/20

सामान्य अध्ययन : प्रश्न-पत्र – IV
GENERAL STUDIES : PAPER – IV

निर्धारित समय : तीन घंटे] **[अधिकतम अंक : 200**
Time Allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 200**

नोट :

1. कुल 20 प्रश्न दिए गए हैं। खण्ड-अ से 10 प्रश्न लघु उत्तरीय हैं जिनके प्रत्येक उत्तर की शब्द-सीमा 125 तथा खण्ड-ब से 10 प्रश्न दीर्घ उत्तरीय हैं जिनके प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 200 निर्धारित हैं। जो हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।
4. प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखें।
5. उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दें।

Note :

1. There are 20 questions. Section – A consists of 10 short answer questions with word limit of 125 each and Section – B consists of 10 long answer questions with word limit of 200 each. The questions are printed both in Hindi and English.
2. All questions are compulsory.
3. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
4. Keep the word limit indicated in the question in mind.
5. Any page or portion of the page left blank in the answer booklet must be clearly struck off.

खण्ड-अ / Section–A

1. लोक सेवकों की लोकतंत्रीय अभिवृत्ति एवं अधिकारीतंत्रीय अभिवृत्ति में अंतर बताइए।
Differentiate between democratic attitutde and bureaucratic attitutde of public servants. *(125 Words / 8 Marks)*

2. जनता के विरोध के संबंध में अनुनय की भूमिका की तर्क सहित व्याख्या कीजिए।
Explain the role of persuation in relation to public protest with proper argument. *(125 Words / 8 Marks)*

3. निष्पक्षता को परिभाषित कीजिए और कमजोर वर्ग की समस्याओं के समाधान में निष्पक्षता की भूमिका की विवेचना कीजिए।
Difine impartiality and discuss the role of impartiality in solving problems of weaker section. *(125 Words / 8 Marks)*

4. संवेगात्मक बुद्धि से आप क्या समझते हैं? इसके आयामों की विवेचना कीजिए।
What do you understand by emotional intelligence? Discuss its dimensions. *(125 Words / 8 Marks)*

KGS : 5th Floor, A13A, Graphix 1 Tower B, Sector 62, Noida, Uttar Pradesh-201309
Ph. No. : 8757354880

5. लोक सेवकों के संदर्भ में निम्नलिखित की प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए।
   a) समर्पण
   b) जवाबदेही

   Describe the relevance of the following in the context of civil servants. :
   a) Dedication
   b) Accountablity *(125 Words / 8 Marks)*

6. ''प्रशासन एक नैतिक कार्य है और प्रशासक एक नैतिक अधिकर्त्ता है।'' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
   "Administration is a moral act and administrator is a moral agent." Explicate this statment. *(125 Words / 8 Marks)*

7. क्या आप स्वीकारते हैं कि जन संस्थाएँ जनता के अधिकारों के संरक्षण में सफल है?
   Do you accept that public institutions are successful in preservation of the rights of people. *(125 Words / 8 Marks)*

8. 'अन्तरात्मा की आवाज' से आप क्या समझते हैं? लोक सेवकों के कर्त्तव्य निर्वहन में यह किस प्रकार मदद करता है?
   What do you understand by 'Voice of conscience' How does it help in performing the duty of civil servants?
   (125 Words / 8 Marks)

9. वे कौन सी परिस्थितियाँ है जो अधिकारी की सत्यनिष्ठा के बारे में संदेह उत्पन्न करती है?
   What are the circumstances which create suspicion about an officer's integrity?
   (125 Words / 8 Marks)

10. विभेद कीजिए :
    (a) सदाचार-संहिता और आचार-संहिता में
    (b) सहिष्णुता और करुणा में *(125 Words / 8 Marks)*

    Differentiate between :
    (a) Code of ethics and code of conduct
    (b) Tolerance and compassion.

खण्ड-ब / Section–B

11. अभिक्षमता किस प्रकार रुचि से भिन्न है? 'यदि किसी में लोक सेवक बनने की रुचि है लेकिन लोक सेवाओं का निर्वहन करने की अभिक्षमता नहीं है, तो क्या वह लोक सेवक के रूप में सफल होगा?' विवेचना कीजिए।
    How aptitude is different from interest? "If one has the interest to become civil servant but does not have aptitude for it then will he/she be successful as a civil servant? Discuss. *(200 Words / 12 Marks)*

12. 'सहनशीलता सर्वोत्तम मूलभूत मूल्य है' इस कथन की विवेचना एक लोक सेवक के संदर्भ में कीजिए।
    "Tolerance is supreme fundamental value." Discuss this statement in context of civil servant. *(200 Words / 12 Marks)*

13. सामाजिक प्रभाव से आप क्या समझते हैं? सामाजिक प्रभाव और अनुनय कैसे व्यवहार में परिवर्तन ला सकते हैं।
    What do you understand by social influence? How social influence and persuation can bring out behavioural change?
    (200 Words / 12 Marks)

14. करुणा की आधारभूत आवश्कताएँ क्या हैं? लोक सेवा में कमजोर वर्ग के प्रति करुणा की क्या आवश्यकता है?
    What are the basic requirment of compassion? What is the need of compassion towards weaker section in civil service?
    (200 Words / 12 Marks)

15. भीड़ एक अस्थायी समूह होता है जो दुर्घटना या विरोध या प्रदर्शन की स्थिति में तत्काल एक स्थान पर एकत्र हो जाता है। इस भीड़ के हिंसात्मक होने की संभावना हमेशा बनी रहती है। बहुत बार यह भीड़ अनावश्यक हिंसा की स्थिति पैदा कर देती है। किस अनुनयात्मक विधि से भीड़ को नियंत्रित और संतुष्ट किया जा सकता है? व्याख्या कीजिए।
    Crowed is a temporary group which immediately collect at one place in situation of accident or protest or demonstration. Probability of this crowd becoming violent is always possible. Many times this crowd creates unneccessary situation of violence. Through which persuation method the crow may be controlled and satisfied? Explain
    (200 Words / 12 Marks)

16. ''सूचना का अधिकार अधिनियम केवल नागरिकों के सशक्तिकरण के बारे में नहीं है, अपितु यह आवश्यक रूप से जवाबदेही की संकल्पना को पुनर्परिभाषित करता है।''
"The Right to information Act is not only about citizen's empowerment but it essentially redefines the concept of accountability." Discuss. *(200 Words / 12 Marks)*

17. उपयुक्त उदाहरणों द्वारा निगमित शासन में नैतिक मुद्दों की व्याख्या कीजिए।
Explain with suitable examples the ethical issues in corporate governance. *(200 Words / 12 Marks)*

18. समाज में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए आपके अनुसार क्या कदम उठाने चाहिए? व्याख्या कीजिए।
What steps should be taken according to you to prevent corruption in society? Explain. *(200 Words / 12 Marks)*

19. आचरण की शुद्धि के लिए बुद्ध द्वारा बताए गए अष्टांगिक मार्ग की व्याख्या कीजिये।
Explain the eightfold path given by Buddha for the purification of conduct. *(200 Words / 12 Marks)*

20. संजीव एक आदर्शवादी है। उसका विश्वास है कि 'सत्य सर्वश्रेष्ठ सद्गुण है तथा सत्य से कभी समझौता नहीं करना चाहिए।' एक दिन उसने डंडा तथा पत्थर हाथ में लिए हुए लोगों की भीड़ से भागते हुए एक व्यक्ति को देखा। वह उसे एक विशिष्ट स्थान पर छुपते हुए भी देख लेता है। भीड़ ने संजीव से पूछा कि क्या उसने चोर को देखा है? संजीव ने सच बता दिया और उस जगह की ओर इशारा कर दिया जहाँ उसे छुपते हुए दिखा था। भीड़ उस व्यक्ति को पकड़ लेती है और मरने तक पीटती रहती है। उपर्युक्त परिस्थिति के प्रकाश में संजीव के आचरण पर टिप्पणी कीजिए।
Sanjeev is an idealist. He believes that "truth is the greatest virtue and should never be compromised". One day he witnessed a person running away from a mob equipped with sticks and stones. He watches him hiding in a particular spot. The mob asked Sanjeev wheather he saw the thief? Sanjeev tells the truth pointing towards the spot, where he saw the person hiding. The mob gets hold fo the person and beats him till death. In light of above circumstance, comment on the condut of Sanjeev. *(200 Words / 12 Marks)*

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR